12 जुलाई 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सीएम हेमंत सोरेन बोले... केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति के एवज में राज्य से नहीं मांगे पैसे

3

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बोले आरएसएस प्रमुख... 75 साल की उम्र के बाद राजनीति छोड़ देनी चाहिए; मचा घमासान

एजेंसी/नई दिल्ली

♦ सरसंघचालक भागवत का बयान संघ विचारक मोरोपंत पिंगले के 75वें जन्मदिन पर दिए गए उनके भाषण का था संदर्भ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल की उम्र के बाद राजनीति से पीछे हटने वाले बयान ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। विपक्ष ने आरएसएस प्रमुख की टिप्पणी को लेकर देश की भाजपा पर निशाना साधा है।

संघ ने कहा कि सरसंघचालक मोहन भागवत का बयान संघ विचारक मोरोपंत पिंगले के 75वें जन्मदिन पर दिए गए उनके भाषण का संदर्भ था, लेकिन कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टी शिवसेना इसका अधूरा मतलब निकालकर राजनीतिक खिचड़ी पका रही है। आरएसएस ने इस बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह टिप्पणी केवल मोरोपंत पिंगले के संदर्भ में दी गई थी। वहीं, इसका किसी और से कोई लेना-देना नहीं था। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने अब तक विपक्ष की ओर से कसे जा रहे तंज पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

अगर कोई उनके काम की तारीफ करता तो वे मजाक में हंसते-हंसते टाल देते

मतलब यह है कि उनकी उम्र हो चुकी है: नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि 75 साल पूरा होने पर किसी भी नेता को जब शॉल ओढ़ाई जाती है तो इसका एक मतलब है। ये मतलब यह है कि उनकी उम्र हो चुकी है। आप को बाकियों को मौका देना चाहिए। आरएसएस प्रमुख राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी पुस्तक के विमोचन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे। इस पुस्तक का नाम मोरोपंत पिंगलेः द आर्किटेक्ट ऑफ हिंदू रिसर्जेंस है। इसका विमोचन करने के बाद भागवत ने वरिष्ठ आरएसएस नेता की विनम्रता, दूरदर्शिता और जटिल विचारों को सरल भाषा में समझाने की अद्वितीय क्षमता को याद किया।

मोरोपंत पूर्ण निस्वार्थता की प्रतिमूर्ति थेः भागवत ने कहा कि मोरोपंत पूर्ण निस्वार्थता की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने अनेक कार्य किए और यह सोचकर किए कि यह कार्य राष्ट्र निर्माण में सहायक होगा। मोहन भागवत ने कहा कि मोरोपंत पिंगले जी ने बहुत काम किया। उनकी उम्र हो गई थी, शरीर भी थोड़ा दुर्बल हुआ था। हमने उनसे कहा कि अब सब काम दूसरों को सौंप दो। पिंगले आखिरी दिनों में नागपुर आकर यहीं रहने लगे। उनका चिंतन हमेशा चलता रहता था, हर विषय की उन्हें गहराई से जानकारी थी।

मोहन भागवत ने मोरोपंत पिंगले के साथ एक प्रसंग को याद करते हुए कहा कि एक बार हमने उनसे कहा कि अब बस, आराम करो तब भी उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मैंने बहुत काम किया है। अगर कोई उनके काम की तारीफ करता तो वे मजाक में हंसते-हंसते टाल देते। वृंदावन में एक सत्र में शेषाद्री जी ने कहा कि आज हमारे मोरोपंत जी के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। और उन्हें शॉल पहनाई गई। उसके बाद उनसे कहा गया कि कुछ बोलिए। तो उन्होंने कहा था कि मेरी मुश्किल ये है कि मैं खड़ा होता हूं तो लोग हंसते हैं। मैं कुछ नहीं बोलता तो भी लोग मेरे बोलने पर हंसते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि लोग मुझे गंभीरता से नहीं लेते। फिर मोरोपंत पिंगले जी ने कहा कि 75 वर्ष की उम्र में शॉल पहनने का अर्थ मैं जानता हूं। इसका मतलब है कि अब आपकी उम्र हो गई है, आप साइड में हो जाओ। अब और बाकी लोगों को काम करने दो।

पीएम मोदी ने नेताओं को किया मजबूरः संघ प्रमुख मोहन भागवत के बाद विपक्ष मोदी के भविष्य को लेकर अटकलें लगा रहा है। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा कि पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी व जसवंत सिंह जैसे नेताओं को 75 साल की उम्र के बाद रिटायर होने के लिए मजबूर किया। देखते हैं कि क्या वह अब खुद पर भी यही नियम लागू करते हैं। यह सिद्धांतहीन है कि मार्गदर्शक मंडल को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई, लेकिन संकेत स्पष्ट हैं कि वर्तमान व्यवस्था को इस नियम से छूट मिलेगी।

भुवनेश्वर में संविधान बचाव समावेश में केंद्र पर कांग्रेस ने बोला हमला

अडानी जैसे 5-6 अरबपति चलाते केंद्र व ओडिशा की सरकारः राहुल

♦ यहां की सरकार आपका धन, जंगल और आपकी जमीन आपसे छीनती है, इसके खिलाफ आपके साथ खड़ी है कांग्रेस

एजेंसी/भुवनेश्वर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में संविधान बचाव समावेश के तहत लोगों को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा की सरकार अडानी चलाते हैं, उनके लिए जगन्नाथ के रथ रोके गए। उन्होंने कहा कि गरीबों, दलितों को सरकार में जगह नहीं मिलती है। सबसे पहला काम जातीय जनगणना है। इससे गरीबो, दलितों को अपनी सच्ची शक्ति समझ आएगी।

राहुल गांधी ने कहा ओडिशा हो या छत्तीसगढ़, सिर्फ एक ही नाम दिखाई देता है- अडानी.. अडानी.. अडानी... मतलब अडानी ओडिशा की सरकार चलाते हैं, नरेंद्र मोदी को चलाते हैं। जब ओडिशा में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा निकलती है, तो लाखों लोग रथ के पीछे चलते हैं। फिर एक ड्रामा होता है और यात्रा के रथ को अडानी और उनके परिवार के लिए रोका जाता है । ये ओडिशा की सरकार नहीं है- ये अडानी जैसे 5-6 अरबपतियों की सरकार है।

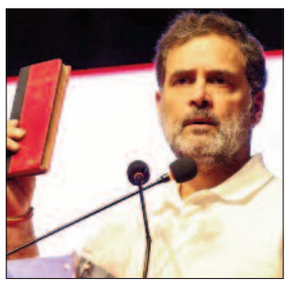

गरीब किसान और लोगों के लिए किया जाना चाहिए विकास : राहुल ने कहा कि मैं आपसे पूछना चाहता हूं- आपकी सरकार ने ओडिशा के युवाओं को कितना रोजगार दिया है? ये जो बड़ी-बड़ी इंडस्ट्रीज आती हैं, बड़ी-बड़ी कंपनियां आती हैं, वो आपकी जमीन ले जाती हैं, आपका धन, आपकी प्राकृतिक दौलत ले जाती हैं, लेकिन ये आपके कितने लोगों को रोजगार देती हैं? ये पहले आपके छोटे बिजनेस, छोटी कंपनियों और स्मॉल-मीडियम बिजनेस को खत्म करती हैं और फिर आपकी जमीन, आपका धन, आपका जंगल, आपका जल उठाकर ले जाती हैं। देश में विकास 2-3 प्रतिशत लोगों के लिए या दो-तीन अरबपतियों के लिए नहीं किया जाता है। विकास ओडिशा की जनता के लिए, गरीब लोगों के लिए, किसानों के लिए किया जाना चाहिए। यहां की सरकार 24 घंटा आपका धन, आपका जंगल और आपकी जमीन आपसे छीनती है। आपको जमीन से हटा देती है, सही मुआवजा नहीं देती, आपको डराती-धमकाती है। हमारे आदिवासी भाई, किसान, मजदूर... जिन पर भी सरकार आक्रमण कर रही है, जिनके खिलाफ भी अत्याचार हो रहा है- उनके साथ कांग्रेस पार्टी के नेता खड़े मिलेंगे, मैं खड़ा मिलूंगा। मैं आपसे कह रहा हूं- कांग्रेस पार्टी आपको पट्टा दिलाकर रहेगी।

जल, जंगल और जमीन आदिवासियों के है : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा ओडिशा भाजपा का मॉडल है। ये लोग 5-6 बड़ी कंपनियों को आपका पूरा का पूरा धन दे रहे हैं। मैं अभी किसानों और महिलाओं के डेलिगेशन से मिला, उनकी आवाज सुनी, उनका दुख-दर्द सुना। जल, जंगल और जमीन आदिवासियों के हैं और आदिवासियों के ही रहेंगे। यहां पर आदिवासियों को बिना पूछे, जमीन से हटा दिया जाता है, पेसा कानून लागू नहीं किया जाता है। आदिवासियों को पट्टा नहीं दिया जाता है। यह जमीन उनकी है, जल उनका है, जंगल उनका है। कांग्रेस पार्टी पेसा कानून लाई थी, ट्राइबल बिल लाई। इन कानूनों को हम लागू करके दिखाएंगे, आदिवासियों को उनकी जमीन वापस दिलाएंगे।

संविधान को बदलना है भाजपा का मिशनः मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार में बैठी भाजपा संविधान से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही है। खरगे ने यहां पार्टी के संविधान बचाओ समावेश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भाजपा के शासन में आदिवासी, दलित, महिलाएं व युवा सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का मिशन संविधान को बदलना है। केंद्र की भाजपा सरकार हमारे संविधान से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही है।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने 2006 में गरीबों और आदिवासियों की रक्षा के लिए वन अधिकार अधिनियम पेश किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इस कानून को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि उद्योग के नाम पर भाजपा सरकार हर जगह जंगलों को नष्ट कर रही है। अगर दलित, आदिवासी और युवा अपने अधिकारों के लिए लड़ना नहीं सीखेंगे, तो वे उनका भी सफाया कर देंगे। खरगे ने ओडिशा में भाजपा समर्थकों पर दलितों और सरकारी अधिकारियों पर हमला करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ओडिशा के गंजाम में हाल ही में दो दलित पुरुषों का सिर मूंड दिया गया, उन्हें घुटनों के बल रेंगने पर मजबूर किया गया, घास खाने और गंदा पानी पीने पर मजबूर किया गया। भुवनेश्वर में एक सरकारी अधिकारी पर भी सरेआम हमला किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बड़े-बड़े दावे करने वाली भाजपा का ओडिशा और भुवनेश्वर के लिए कोई योगदान नहीं है। वे राज्य के लिए कुछ किए बिना सिर्फ श्रेय लेना चाहते हैं, लेकिन हम ओडिशा की जनता के साथ खड़े हैं।

गयाजी में पुलिस वाहन से कुचल कर एक की मौत

केटी न्यूज/पटना

♦ शराब के शक में पुलिस ने किया था पीछा, लोगों ने पुलिस वाहन फूंका

गयाजी के इमामगंज में शुक्रवार को पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी से एक ग्रामीण की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर काफी देर तक हंगामा किया और पुलिस वाहन को आग के हवाले कर दिया। मृतक की पहचान मेघास्थान गांव निवासी देवबली उर्फ बाबू चौधरी के रूप में की गई है।

जानकारी के मुताबिक ग्रामीण की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया। जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, वहीं पुलिस वाहन में भी आग लगा दी गई। बताया जा रहा है कि देवबली गांव के ईंट भट्ठा के पास खड़ा था। तभी कोठी थाना पुलिस की पेट्रोलिंग वाहन वहां पहुंची। पुलिस को देखकर देवबली भागने लगा। पुलिस को संदेह हुआ कि वह शराब लेकर जा रहा है। तब पुलिस ने उसका पीछा किया। भागने के क्रम में बाइक सवार देवबली असंतुलित होकर गिर गया। तभी पीछे से आ रहे पुलिस वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिसमें मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यह देख स्थानीय ग्रामीण आक्रोशित हो गए और सड़क जाम कर हंगामा करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस वाहन तेज रफ्तार में था। शराब का संदेह होने पर पीछा किया गया, जबकि मृतक के पास शराब भी बरामद नहीं हुआ है।

नए बहाल 5728 प्रधानाध्याप पदस्थापित

पटना। बिहार के उत्क्रमित/ नव पदस्थापित उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक की नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। शिक्षा विभाग ने बिहार लोक सेवा आयोग को 6061 रिक्त पदों पर बहाली की सिफारिश की थी। इस आलोक में बीपीएससी ने कुल 5971 सफल अभ्यर्थियों की अनुशंसा उपलब्ध कराई। इस आलोक में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की गई। जिसमें से 5731 अभ्यर्थियों के कागजात सही पाए गए। 30 जून 2025 को ही सभी सफल अभ्यर्थियों को प्रमंडल एवं जिला आवंटित किया गया था। साथ ही आवंटित जिला में पदस्थापन के लिए पांच-पांच प्रखंड के विकल्प की मांग की गई थी।

सख्तीः बॉडी वॉर्न कैमरा बंद मिला तो पुलिसकर्मियों पर होगी सख्त कार्रवाई

केटी न्यूज/पटना

अब पटना की सड़कों पर ट्रैफिक ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। बिहार पुलिस मुख्यालय ने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बॉडी वॉर्न कैमरा के उपयोग को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

इस संबंध में एडीजी ट्रैफिक सुधांशु कुमार ने जानकारी दी कि मुख्यालय की ओर से एक मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई है, जिसके अनुसार ड्यूटी पर मौजूद हर ट्रैफिक पुलिसकर्मी को अपना बॉडी वॉर्न कैमरा हर समय चालू रखना होगा। यदि किसी पुलिसकर्मी पर कोई शिकायत मिलती है और जांच में यह सामने आता है कि उस वक्त उसका कैमरा बंद था, तो शिकायत को सत्य मानते हुए कार्रवाई की जाएगी।

बिहार पुलिस मुख्यालय ने ट्रैफिक ड्यूटी में लगे कर्मियों के लिए बॉडी वर्न कैमरा के इस्तेमाल को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। एडीजी ट्रैफिक सुधांशु कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यालय की ओर से एक एसओपी जारी की गई है, जिसमें स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि सभी ट्रैफिक पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान बॉडी वर्न कैमरा अनिवार्य रूप से ऑन रखेंगे।

अगली बार से कांवरियों को सुल्तानगंज बाजार होकर नहीं जाना पड़ेगाः सम्राट चौधरी

केटी न्यूज/पटना

विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले का उप मुख्यमंत्री सीएम सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को उद्घाटन किया। इस मौके पर भागलपुर के सुल्तानगंज में उन्होंने कहा कि अगली बार से कांवरियों को सुल्तानगंज बाजार होकर नहीं जाना पड़ेगा। कच्ची कांवरिया सड़क गंगा घाट से सीधे देवघर तक जाएगी। इसके लिए बायपास सड़क बनेगी।

डिप्टी सीएम ने कहा कि हर साल करीब तीन करोड़ श्रद्धालु सुल्तानगंज आते हैं। सभी चाहते हैं कि सहूलियत हो, सड़क सुगम बने। इसलिए सरकार ने नया प्लान बनाया है। जो साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगुवानी पुल अब सुपर स्ट्रक्चर मॉडल पर बनेगा। 18 माह में काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस वे का उपहार भी मिला है। इससे सुल्तानगंज से कोलकाता तक पांच घंटे में सफर पूरा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मुंगेर से मिर्जा चौकी तक फोरलेन सड़क का काम लगभग है। पुरानी सड़क का काम भी पूरा होने पर है। बरियारपुर से बांका तक सड़क चौड़ी हो रही है। सुल्तानगंज से देवघर तक वर्तमान सड़क फोरलेन बनेगी।

बदलती स्वास्थ्य व्यवस्था तरक्की का संकेतः सिन्हा

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय स्वास्थ्य मेला आरोग्य पर्व 2025 का शुभारंभ शुक्रवार को पटना स्थित ज्ञान भवन और बापू सभागार में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। दो दिवसीय इस मेले की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने की। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सरकार पूरी तरह संजीदा है।

उन्होंने बताया कि राज्य में 96 लाख बच्चियों को एचपीवी वैक्सीन देने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही 22 नए मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सरकारी अस्पतालों में क्यूआर कोड आधारित दवा ट्रैकिंग प्रणाली शुरू कर दी गई है। वहीं, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार की बदलती स्वास्थ्य व्यवस्था राज्य की तरक्की का संकेत है। उन्होंने स्वास्थ्य मेले को एक सराहनीय प्रयास बताते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अब सीधे जनता तक पहुंच रहा है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग मिशन मोड में काम कर रहा है और दवाओं की उपलब्धता, आधुनिक अस्पतालों का निर्माण, चिकित्सकों और तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति जैसे कई मोर्चों पर सुधार हो रहा है।

एक देश एक चुनाव पर जेपीसी की बैठक में दो पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने दिए अपने सुझाव

चुनाव आयोग को नहीं दे सकते बेलगाम ताकतः पूर्व सीजेआई

एजेंसी/नई दिल्ली

एक देश एक चुनाव पर भाजपा सांसद पीपी चौधरी के नेतृत्व वाली जेपीसी की बैठक शुक्रवार को हुई है। जेपीसी की बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेएसखेहर ने अपने प्रस्तुतीकरण में कहा कि यह विधेयक सिद्धांततः संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चुनाव आयोग की भूमिका गहन जांच के दायरे में आ गई है क्योंकि उसे अत्यधिक शक्तियां प्रदान करने के प्रस्ताव पर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं और इस धारा के पुनर्मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय बहस की आवश्यकता है। वहीं, दोनों पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने जेपीसी को यह सुझाव दिया कि चुनाव आयोग के इतनी बेलगाम ताकत नहीं दी जानी चाहिए, जितनी की संशोधन बिल में प्रस्तावित की गई है। उन्होंने कहा कि इसके लिए नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक सिस्टम होना चाहिए।

चुनावों के संचालन के लिए एक निगरानी तंत्र होना चाहिएः इसके अलावा, पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जेएस खेहर ने संसदीय समिति को सुझाव देते हुए कहा कि चुनावों के संचालन के लिए एक निगरानी तंत्र होना चाहिए। इस बैठक में जेपीसी के चेयरमैन और भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि आज शुक्रवार को जेपीसी की बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर और न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ शामिल हुए। उनसे हमनें वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर जो संवैधानिक सवाल हैं, उनको लेकर उनकी राय जानी। उन्होंने कहा कि हमने अब तक महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश , हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और चंडीगढ़ में वहां की सरकार और अन्य स्टेक होल्डर्स के साथ बातचीत की है. हम पक्ष और विपक्ष सबके सुझाव लेना चाहते हैं, जिससे सबके बारे में जानकारी हो सके।

परिवार नियोजन के क्षेत्र में एमपीए सब-कुटेनियस इंजेक्शन मील का पत्थर

♦ सिविल सर्जन ने एमपीए-एससी की शुरूआत करते हुए किया विश्व जनसंख्या दिवस की शुरूआत

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को विश्व जनसंख्या दिवस का आगाज किया गया। जिसके तहत डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने परिवार नियोजन पखवाड़ा की शुरूआत करते हुए सदर अस्पताल स्थित परिवार नियोजन परामर्श केंद्र में एमपीए सब-कुटेनियस इंजेक्शन का विधिवत उद्घाटन किया।

इस दौरान तीन लाभार्थियों को एमपीए सब-कुटेनियस इंजेक्शन की सेवा प्रदान की गई। मौके पर सीएस डॉ. चक्रवर्ती ने कहा कि राज्य स्वास्थ्य समिति के निदेर्शानुसार गर्भनिरोधक के बास्केट ऑफ च्वाइस में एक और विकल्प जुड़ गया है। बास्केट ऑफ च्वाइस में एमपीए सब-कुटेनियस इंजेक्शन जुड़ने से लाभुक महिलाओं को काफी सहूलित मिलेगी। यह इंजेक्शन तीन माह तक लाभुक महिलाओं को गर्भधारण से सुरक्षा प्रदान करेगी। अस्थायी गर्भनिरोधक साधन में महिलाओं के लिए न कोई साइड इफेक्ट, न कोई जटिलता। यह सेवा जिले में मातृ स्वास्थ्य और परिवार नियोजन दोनों के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी।

वहीं, डीसीएम हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि एमपीए सब-कुटेनियस इंजेक्शन के लिए राज्य के द्वारा पांच स्वास्थ्य संस्थानों का चयन किया गया है। इसमें सदर अस्पताल बक्सर, सीएचसी नावानगर, एपीएचसी सिकरौल, एचडब्ल्यूसी कड़सर व बैना शामिल हैं। जहां पर लाभुक महिलाओं को जागरूक करते हुए एमपीए सब-कुटेनियस के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

यूपीएचसी में मनाया गया विश्व जनसंख्या दिवस

वहीं, दूसरी ओर शुक्रवार को बक्सर जिला मुख्यालय स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य में परिवार कल्याण मेला एवं जागरूकता का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विंध्याचल सिंह ने किया। इस क्रम में डॉ. विंध्याचल सिंह ने बताया कि सरकार परिवार नियोजन के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। इन सुविधाओं का लाभ लेने वालों को यह सेवाएं निःशुल्क दी जाएंगी। इस क्रम में लोगों को जागरूक करने के लिए जिले के सभी प्रखंडों में 11 से 31 जुलाई तक विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर महिलाओं को परिवार नियोजन के विभिन्न तरीकों की जानकारी देंगी। इस दौरान जहां महिलाओं के साथ साथ पुरुषों को परिवार नियोजन के स्थायी उपायों के इस्तेमाल के लिए भी जागरूक किया जाएगा। ताकि, समाज में महिलाओं के साथ साथ पुरुष भी अपनी जिम्मेदारियों को समझे और इसमें अपना सहयोग दें। मौके पर यूपीएचसी की सीएचओ, एएनएम, स्टाफ नर्स और आशा कार्यकर्ताएं मौजूद रही।

एक नजर

जिलाधिकारी ने किया चौगाईं स्थित मध्य विद्यालय वैदा का निरीक्षण, जताया संतोष

चौगाईं। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह ने चौगाईं प्रखंड के मध्य विद्यालय बैदा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में शिक्षकों तथा छात्रों की उपस्थिति, एमडीएम की गुणवत्ता, कक्षाओं का संचालन आदि का जायजा लिया तथा कई आवश्यक निर्देश दिए। इस विद्यालय में कुल 289 छात्र-छात्राएं नामांकित है। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान कुल 245 छात्र-छात्राएं उपस्थित पाए गए। इस विद्यालय में वर्ग एक से वर्ग आठ तक पढ़ाई होती है तथा निरीक्षण के दौरान क्लास संचालित पाया गया। वहीं, सभी शिक्षक भी उपस्थित थे। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने संतोष जताया तथा प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को निर्देश दिया कि छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करते रहेंगे। वहीं, डीएम ने छात्रों से भी उनके पढ़ाई तथा एमडीएम के अलावे अन्य योजनाओं के लाभ के संबंध में पूछताछ की। छात्रों ने किसी तरह की शिकायत जिलाधिकारी से नहीं की। जिलाधिकारी के इस निरीक्षण को ले प्रखंड क्षेत्र के विद्यालयों में हड़कंप मचा रहा। निरीक्षण के क्रम में डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, चौगाईं के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुरेश प्रसाद, संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक उपस्थित थे।

सोनवर्षा में ज्वेलरी दुकान में चोरी, मची सनसनी

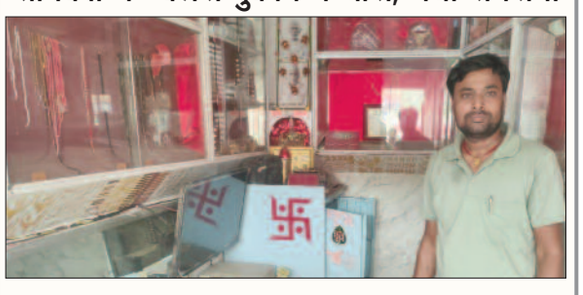

नावानगर। सोनवर्षा बाजार में बीती रात अज्ञात चोरों ने ओम अलंकार ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के आभूषणों की चोरी कर ली। चोरी की यह वारदात तब हुई जब बाजार पूरी तरह से बंद था और आसपास सन्नाटा पसरा हुआ था। दुकानदार चंदन सोनार के अनुसार, सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो शटर में लगी लिंक ताला के साथ एक कूडी टूटी हुई थी। अन्य कुंडी ज्यों का त्यों था। जबकि भीतर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। दुकान के काउंटर और अलमीरा को तोड़कर सोने-चांदी के कई कीमती आभूषण गायब थे। चोरी गए आभूषणों की अनुमानित कीमत लाखों में बताई जा रही है। बताया जाता है कि दुकान के आसपास सीसीटीवी की सुविधा नहीं है। इधर सूचना मिलते ही सोनवर्षा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। साथ चोरों की पहचान की जा रही है। स्थानीय व्यवसायियों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। उन्होंने बाजार में रात्रि गश्ती बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीविका के मास्टर बुक कीपर के चयन में बवाल, मारपीट

डुमरांव। प्रखंड क्षेत्र के नोनियापुर सोवा गांव स्थित जीविका कार्यालय में मास्टर बुक कीपर पद पर चयन के दौरान महिलाओं के दो गुटों के बीच मारपीट की घटना सामने आई है। इस मामले में अनमोल जीविका संघ की अध्यक्ष उषा देवी, ने कृष्णाब्रह्म थाने में लिखित आवेदन दे पांच नामजद और बीस अज्ञात महिलाओं पर मारपीट करने और कार्यालय में तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़िता ने जिक्र किया है कि चयन प्रक्रिया के लिए परीक्षा का आयोजन जीविका कार्यालय में किया गया था। इसी दौरान कुछ परीक्षा को प्रभावित करने तथा अपने मन माफिक एमबीके के चयन के लिए बीपीएम समेत पांच नामजद और 20 अज्ञात महिलाओं ने कार्यालय में घुसकर उनके साथ मारपीट की तथा कार्यालय में लगे कंप्यूटर, फाइलें और अन्य उपकरणों को क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़िता ने इसे गहरी साजिश के तहत किया गया बताया तथा कहा कि निष्पक्ष चयन को प्रभावित करने के लिए ही ऐसा किया गया है। थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने बताया कि पीड़िता का आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब हो कि हाल के दिनों में जीविका समूह कई विवादों के कारण सुर्खियों में रहा है। इसमें अटांव पंचायत में हुए घोटाले तथा पुराना भोजपुर की अध्यक्ष पुष्पा देवी के साथ दुर्व्यवहार सहित कई अन्य मामले शामिल है।

सामाजिक सुरक्षा के पेंशनधारियों को मिली बढ़ी हुई पेंशन राशि, पंचायतों में आयोजित हुआ कैंप

जिले के 19 लाख 616 पेंशनधारियों के खाते में डाली गई 21.64 रुपए की राशि

♦ 11 प्रखंड मुख्यालय, 136 ग्राम पंचायत स्तर एवं 1142 राजस्व ग्राम स्तर पर कार्यक्रम का कर किया गया आयोजन

केटी न्यूज/बक्सर

राज्य सरकार द्वारा राज्य के वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांग जनों को दी जा रही पेंशन राशि को जून महीने से 400 रूपए से बढ़ाकर प्रति माह 1100 रूपए कर दिया गया है। शुक्रवार को राज्य के सभी पेंशनधारियों को बढ़ी हुई राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाता में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का प्रसारण बक्सर जिला मुख्यालय, सभी 11 प्रखंड मुख्यालय, 136 ग्राम पंचायत स्तर एवं 1142 राजस्व ग्राम स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन कर किया गया।

बक्सर जिलांतर्गत नगर भवन में डीएम डॉ. विद्यानन्द सिंह की जिला पदाधिकारी बक्सर की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष, जिला परिषद बक्सर, उप विकास आयुक्त बक्सर, अपर समाहर्ता बक्सर, सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग बक्सर एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि के साथ लगभग 800 पेंशनधारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा बक्सर जिला के कुल 1900616 पेंशनधारियों के बैंक खाता में जून 2025 के बढ़े हुए 1100 रुपए की दर से से कुल 21 करोड़ 64 हजार 400 रुपए की राशि डीबीटी किया गया।

उपस्थित पेंशनधारियों ने सरकार के इस निर्णय की सराहना की। पेंशनधारियों ने मुख्यमंत्री के इस फैसले को ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि इससे पेंशनधारियों को अपना जीवन-बसर करने में बड़ा सहूलियत मिलेगी। इस मौके पर जिलाधिकारी ने बताया कि सरकार की प्रतिबद्धता है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। जिसका उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का क्रियान्वयन करना है, जिनका लक्ष्य समाज के कमजोर वर्गों को सहायता और संबल देना है, ताकि उनके आत्मसम्मान में वृद्धि हो एवं उन्हें गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिले। राज्य सरकार सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है।

डुमरांव में 72 जगहों पर आयोजित हुआ था कैंप: वहीं, डुमरांव प्रखण्ड के पंचायत सभी 16 पंचायतों के राजस्व ग्रामों में कुल 72 जगह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जहां लाभुकों को डीबीटी के राशि का हस्तांतरण हुआ, मुख्य कार्यक्रम प्रखण्ड मुख्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें सैकड़ों लाभुक उपस्थित रहकर अपनी खुशी जाहिर की अनुमंडल पदाधिकारी ने पेंशन धारकों को माला पहना कर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने कहा कि सभी पेंशनधारियों के खाते में बढ़ी हुई पेंशन की राशि डीबीटी कर दी गई है।

चौसा प्रखंड के 58 स्थलों पर आयोजित हुआ पेंशन चौपाल :सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की जून महीने से बढ़ी हुई राशिके लिए प्रखंड क्षेत्र के कुल 58 चयनित स्थलों पर एक साथ आयोजित कर लाभुकों के खाते में 1100 रूपए के दर से पेंशन राशि हस्तांतरण की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार ने की। प्रखंड कार्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में बड़ी संख्या में पेंशनधारी मौजूद थे।

कैंप में वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना सहित कुल छह पेंशन योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इसके लिए वीडियो, ऑडियो संदेश और पंपलेट का प्रयोग किया गया। लोगों को आवेदन की प्रक्रिया, पात्रता मानदंड और दस्तावेजों की जानकारी दी गई, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया, जिसमें उन्होंने पेंशनधारियों से सीधा संवाद किया और पेंशन राशि में वृद्धि की जानकारी दी। बीडीओ अशोक कुमार ने मुख्यमंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया और उपस्थित लोगों से अपील की कि वे आसपास के जरूरतमंदों को भी योजना से जोड़ने में सहयोग करें। इस मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हृषिकेश कुमार सिंह सहित प्रखंड पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

कोरानसराय पुलिस ने शराब के साथ पांच तस्करों को पकड़ा, दो बाइक व साइकिल जब्त

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय पुलिस ने शुक्रवार को दो अलग-अलग जगहों से शराब की खेप के साथ कुल पांच तस्करों को पकड़ा है। इस दौरान पुलिस ने शराब तस्करी में प्रयुक्त दो बाइक तथा एक साइकिल भी जब्त की है।

कोपवा चिमनी भट्ठा के पास वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को देखते ही एक बाइक पर शराब की खेप लेकर आ रहे दो तस्कर भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया। उनके पास से 12 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद हुआ। गिरफ्तार तस्करों की पहचान वासुदेवा थाना क्षेत्र के निवासी बिंदटोली निवासी मालधनी बिंद पिता स्व. श्रीराम बिंद तथा कमला बिंद पिता ईश्वर बिंद के रूप में हुई। पुलिस ने उनकी पैसन प्रो बाइक भी जब्त कर ली। वहीं, पुलिस ने खलवा ईनार करूअंज मार्ग में छापेमारी अभियान चला एक बाइक से 10 लीटर तथा साइकिल से पांच लीटर देशी चुलाई शराब के साथ ही तीन तस्करों को पकड़ा है। गिरफ्तार किए गए तस्करों में डुमरांव थाना क्षेत्र के नोनियाडेरा गांव निवासी कमलेश राम पिता बिंदा राम, दिनेश राम पिता बबन राम तथा विष्णु राम पिता बीरबल राम शामिल है। पुलिस ने इनके पास से एक स्पलेंडर प्रो बाइक तथा एक साइकिल जब्त की है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

नावानगर। सोनवर्षा थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनवषार्दूवैना मार्ग स्थित कटहिया पुल के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनवर्षा गांव निवासी सतीश रंजन के 21 वर्षीय पुत्र अनुज कुमार के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, अनुज बाइक से पनियरी गांव की ओर जा रहा था।

इसी दौरान वैना गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही मिट्टी लदी एक तेज रफ्तार व अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक बाइक समेत ट्रैक्टर के पहिये के नीचे आ गया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर सोनवर्षा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं, ट्रैक्टर एवं बाइक को जब्त कर पुलिस ने थाना ले आए है।

खड़ी टेलर से टकराई ट्रक, मौके पर ही हो गई चालक की मौत

♦ नया भोजपुर थाना क्षेत्र के चंदा गांव के समीप की है घटना

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्क्रैप लदे एक अनियंत्रित ट्रक चालक ने अपने आगे खड़ी एक टेलर में जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतना जोरदार था कि ट्रक का केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया तथा चालक की स्टेयरिंग पर ही मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार की सुबह करीब पांच बजे नया भोजपुर थाना क्षेत्र के चंदा गांव के समीप की है।

इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा स्थानीय लोगों के सहयोग से स्टेयरिंग पर फंसे चालक के शव को गैस कटर से काट बाहर निकाला। मिली जाडीनकारी के अनुसार स्क्रैप लदे ट्रक चालक ने अपने आगे चल रहे एक ट्रेलर में टक्कर मार दी। घटना के बाद स्क्रैप लदा ट्रक के चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान मोहित कुमार उम्र 21 वर्ष पिता खेम सिंह के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले का रहने वाला था। एक माह में उसकी शादी होनी वाली थीं। शादी का दिन तय था, तैयारियां पूरी हो चुकी थी लेकिन इस सड़क दुर्घटना में उसकी जान चली गई। घटना के बाद कोहराम मचा हुआ है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई हैं।

विवाद में जमकर चटकी लाठी

चौसा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाबा नगर में भूमि विवाद को लेकर जमकर लाठियां चटकाई गई। जिसमें दोनो पक्ष के छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया बाबा नगर निवासी पवन कुमार व नगर थाना के बंगाली टोला निवासी सुमित से भूमि को लेकर अचानक से विवाद हो गया। जिसमें दोनों पक्ष में लाठियां चटकने लगी। घटना में एक पक्ष सुमित कुमार व दो अन्य गम्भीर घायल हो गए, जबकि दूसरे पक्ष के पवन, जितेंद्र व संतोष घायल हो गए। जिनका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है।

महारानी उषारानी बालिका उच्च विद्यालय का सौंदर्यीकरण कार्य संपन्न, बोले विधायक...

बेटियों को बेहतर वातावरण देना हमारी जिम्मेदारी

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय महारानी उषारानी बालिका उच्च विद्यालय में सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद शुक्रवार को एक समारोह के दौरान उसका उद्घाटन स्थानीय विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को फूल-मालाओं, रंग-बिरंगे गुब्बारों और रंगोली से सजाया गया था। उद्घाटन के दौरान विधायक ने विद्यालय के नवसज्जित स्वरूप की सराहना की और इसे क्षेत्र की बेटियों के लिए एक प्रेरणादायक स्थान बताया। विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित वातावरण देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, डुमरांव की यह बालिका विद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र है बल्कि यहां की छात्राएं भविष्य में समाज का नेतृत्व करेंगी। विद्यालय का सौंदर्यीकरण एक सकारात्मक पहल है जिससे छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा। इस दौरान विधायक ने शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की बात कही और शिक्षकों से अपील की कि वे बच्चियों को गुणवत्ता आधारित शिक्षा प्रदान करें ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार के लिए प्रयासरत हैं, जिसमें समाज का सहयोग भी अपेक्षित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की पूर्व प्रधानाध्यापक पुष्पा कुमारी ने की जबकि संचालन ब्रजेश कुमार द्वारा किया गया। पुष्पा कुमारी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में विद्यालय के इतिहास और उसकी उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय वर्षों से बेटियों के सर्वांगीण विकास का केंद्र रहा है और अब इसका सौंदर्यीकरण एक नया अध्याय है। मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधांशु कुमार भी उपस्थित थे। उन्होंने विद्यालय के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग ऐसी पहलों को प्रोत्साहित करता रहेगा। उन्होंने विद्यालय परिवार से अपेक्षा जताई कि वे इस नवविकसित वातावरण का सदुपयोग करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को और ऊंचाई तक ले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

बलियापुर में सेल टासरा की जमीन से अतिक्रमण हटाने पहुंचे प्रशासन से भिड़े ग्रामीण, हथियार लेकर किया विरोध

बलियापुर, एजेंसी। धनबाद जिले के बलियापुर में आसनबनी मौजा में सेल टासरा द्वारा अधिग्रहीत 42 एकड़ भूमि पर निर्माण कार्य होना है, लेकिन इस भूमि पर ग्रामीणों ने अतिक्रमण कर रखा है। क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए कल गुरुवार को बलियापुर सीओ प्रवीण कुमार सिंह, थाना प्रभारी आशीष भारती, प्रभारी बीपीआरओ मोहम्मद आलम भारी दलबल के साथ आसनबनी पहुंचे।

अतिक्रमण मुक्त कराने आए अधिकारियों को देखते ही ग्रामीण हरवे हथियार के साथ भूमि पर पहुंच गये और पुलिस प्रशासन का विरोध करने लगे। देखते ही देखते माहौल तनाव पूर्ण हो गया। इसी बीच सेल द्वारा जेसीबी मशीन से जमीन समतलीकरण कार्य शुरू किया गया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी ने जमीन पर बने घर को ढा दिया। पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ कई दौर नोंक-झोंक भी हुई।

घंटों ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। लेकिन भारी संख्या में आये पुलिस प्रशासन के सामने ग्रामीणों की एक न चली। इस दौरान टासरा सेल द्वारा 80त्न रैयतों को मुआवजा का भुगतान कर देने की बातें भी कहीं। प्रस्तावित भूमि पर पुलिस प्रशासन डटी हैं। सेल द्वारा जमीन कब्जा जमाने का सिलसिला भी जारी है।

देवघर में श्रावणी मेला 2025 की शुरुआत : ड्रोन और लेजर लाइट शो में दिखी शिव महिमा,

देवघर, एजेंसी। देवघर में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला 2025 का आगाज हो गया है। कांवरियों के स्वागत के लिए पूरे शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। गुरुवार की रात शिवलोक परिसर से बाबा बैद्यनाथ मंदिर तक पांच किलोमीटर की परिधि में ड्रोन शो का आयोजन किया गया।

श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ इस दृश्य का स्वागत किया : पर्यटन विभाग द्वारा सावन में पहली बार आयोजित इस शो में आकाश में शिव तांडव, त्रिशूल, डमरू और बाबा मंदिर की आकृतियां बनाई गईं। श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ इस दृश्य का स्वागत किया। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। मेला अवधि के दौरान लेजर लाइट शो और तकनीकी प्रस्तुतियां जारी रहेंगी। इस वर्ष श्रावणी मेले को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है। डीसी नमन प्रियेश लकड़ा के अनुसार, श्रद्धालुओं को भक्ति और सुविधा का बेहतर अनुभव देने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। देवभूमि में श्रद्धा, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

देवघर एम्स में बड़ा हादसा, पांच मंजिला भवन से गिरा एमबीबीएस का छात्र, स्थिति गंभीर

देवघर, एजेंसी। देवघर में कल गुरुवार की देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। देवघर एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) में बीती रात एमबीबीएस सत्र 2023 का एक छात्र एम्स कैंपस के पांच मंजिला हॉस्टल से नीचे गिर गया। इस हादसे में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। फिलहाल एम्स के ही इमरजेंसी ब्लॉक में उसका इलाज चल रहा है। घायल छात्र का नाम 24 वर्षीय ध्रुव कुमार बताया गया है। वह मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले का रहने वाला है।

घटना की सूचना मिलते ही देवीपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन की। देवीपुर थाना प्रभारी संदीप कृष्ण के नेतृत्व में पुलिस एम्स के इमरजेंसी के बाहर कैंप कर रही है। पुलिस मामले की गहन छानबीन में जुटी हुई है। पुलिस हॉस्टल के कर्मियों से पूछताछ भी की जा रही है। एम्स प्रबंधन ने घायल छात्र के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी है। इधर घटना की सूचना मिलते ही देवघर एम्स के डायरेक्टर सौरव वार्ष्णेय भी आईसीयू में इलाजरत ध्रुव की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। एम्स प्रबंधन के अनुसार घायल ध्रुव कुमार होश में है और लगातार उसकी स्थिति में सुधार हो रहा है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को ध्रुव नियमित क्लास करने के दौरान तबीयत खराब होने की बात कह कर हॉस्टल में आराम करने चला गया था। और इसी बीच रात करीब 8 बजे ध्रुव हॉस्टल के नीचे गिरे पड़ा। हॉस्टल में ध्रुव का कमरा 5वें मंजिला में ही है।

योजनाओं की ग्राउंड लेबल तक हो मॉनिटरिंग, दो माह में 600 करोड़ करें खर्च : मंत्री शिल्पी नेहा

रांची, एजेंसी। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की हर एक योजना की ग्राउंड लेबल तक मॉनिटरिंग होगी। विभागीय अधिकारी खुद समय-समय पर इसकी समीक्षा करेंगे। अगले दो माह में 600 करोड़ रुपए खर्च करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बुधवार को मासिक समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को ये दिशा-निर्देश दिए। बैठक में विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट के साथ खर्च की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग दूसरे विभाग से थोड़ा अलग है। विभागीय राशि का खर्च लाभुक तक योजनाओं के पहुंचने के बाद ही कोषागार में बिल भुगतान के लिए जाता है।

कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य में इस वक्त बीज वितरण, मुख्यमंत्री ट्रैक्टर योजना, पंप सेट का वितरण का कार्य चल रहा है। लेकिन बिल का भुगतान अभी नहीं हुआ है। इसका मतलब कतई ये नहीं है कि विभाग का खर्च शून्य है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं को समय सीमा के अंदर धरातल पर उतारने का निर्देश दिया गया है। राज्य में 50 प्रतिशत सब्सिडी पर बीज वितरण किया जा रहा है, जहां बीज नहीं मिलने की शिकायत आ रही है, वहां लैंप-पैक्स के द्वारा बीज के लिए पैसा भुगतान नहीं करने की बात सामने आई है। सामान्य से ज्यादा बारिश की वजह से किसानों को नुकसान हो रहा है। विभाग की नजर इन सारी चीजों पर है।

4000 करोड़ योजना बजट, वित्तीय वर्ष का पहला तिमाही खत्म, पर खर्च शून्य

मालूम हो कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग का योजना बजट 4000 करोड़ रुपए है। इसमें से अबतक एक रुपए भी खर्च नहीं हुए हैं। मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की ने इसे गंभीरता से लिया है। बताते चलें कि कृषि समेत एक दर्जन विभाग का योजना खर्च शून्य है। वर्तमान वित्तीय वर्ष का पहला तिमाही खत्म हो गया है। राज्य सरकार के योजना बजट की 14।95 प्रतिशत राशि ही खर्च हुई है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल बजट आकार 1।45 लाख 400 करोड़ रुपए का है।

इसमें योजना बजट 91741।53 करोड़ रुपए है। बीते 30 जून तक तक इसमें से करीब 13719 करोड़ रुपए ही खर्च हुए हैं। कृषि के अलावा नगर विमानन, वन, उत्पाद, पंचायती राज, आवास, आपदा प्रबंधन समेत कई अन्य विभागों में खर्च का खाता भी नहीं खुला है। वन विभाग का 1050 करोड़, आपदा प्रबंधन का 897 करोड़, पंचायती राज का 1702 करोड़ रुपए का योजना बजट है।

कृषि मंत्री ने कहा कि बैठक में राज्य भर में बीज वितरण, किसान समृद्धि योजना, कृषक पाठशाला, निर्माणाधीन कोल्ड स्टोरेज, बेकन फैक्ट्री के जीर्णोद्धार, मिलेट कैफिटेरिया की स्थापना, दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन राशि का 10 दिनों में भुगतान, राज्य में नये एमपीपी, बीएमसी, मिल्क बूथ की स्थापना पर फोकस, विभाग में योजनाओं से संबंधित लंबित बिल का भुगतान जैसे मुद्दे पर चर्चा के साथ निर्देशित भी किया गया। समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव अबू बक्कर सिद्दीकी, विशेष सचिव गोपालजी तिवारी, विशेष सचिव प्रदीप हजारी के साथ-साथ सभी निदेशक और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

हजारीबाग में लापता युवक का कुएं से मिला शव: आरोपी के घर में आक्रोशित भीड़ ने लगाई आग

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में गुरुवार को एक युवक का शव कुएं से मिलने के बाद लोग इतना आक्रोशित हो गए कि उन्होंने आरोपी के घर में आ लगा दी। आरोपी के 55 वर्षीय पिता की पिटाई कर दी, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना बड़कागांव के पिपराडीह कुम्हरडीहा गांव की है। घटना के बाद गांव में पुलिस की तैनाती कर दी गई है। दरअसल, 28 वर्षीय दिनेश प्रजापति 6 जुलाई से लापता था। 7 जुलाई को दिनेश की पत्नी संगीता देवी ने बड़कागांव थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। संगीता देवी ने गांव के ही सुभाष प्रजापति पर पति के अपहरण का आरोप लगाया था। इधर, चार दिनों तक दिनेश का कोई पता नहीं चला। वहीं, गुरुवारर को दोपहर में किसानों ने कुम्हरडीहा बदवाही नदी के पास मंगरदहा में एक कुएं में दिनेश का शव देखा। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। थाना प्रभारी नमेधारी रजक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना के बाद मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई और दिनेश की हत्या की आशंका से आक्रोशित हो गए। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीण सुभाष प्रजापति के घर पहुंच गए। सुभाष नहीं मिला तो भीड़ ने उसके घर में आग लगा दी। आग में दो मोटरसाइकिल, पलंग और राशन समेत कई सामान जल गए।

भीड़ ने सुभाष के 55 वर्षीय पिता महेश प्रजापति की भी पिटाई कर दी। आगजनी और मारपीट की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और घायलावस्था में महेश प्रजापति को बड़कागांव स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, पुलिस ने आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। इधर, गांव में फैले तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस को वहां तैनात कर दिया गया है।

रेलवे ट्रैक के पास जमीन दो हिस्सों में बंटी, धनबाद-गया रेलमार्ग पर पांडरपाला के पास जमीन पर पड़ी दरार

धनबाद, एजेंसी। ग्रैडकॉर्ड लाइन स्थित धनबाद-गया रेलमार्ग पर गया पुल से करीब एक किमी आगे पांडरपाला के पास रेलवे ट्रैक के बेहद पास की जमीन दो हिस्सों में बंट गई। सुबह 8: 40 बजे जब ट्रैक से एक ट्रेन गुजर ही रही थी, तब 20 मीटर लंबाई तक जमीन दो हिस्सों में बंटी दिखी। दरार की गहराई लगभग 3 फीट तक थी। यह नजारा देख स्थानीय लोगों को अनहोनी की आशंका हुई और उन्होंने रेलवे को इसकी जानकारी दी। गई। हालांकि रेल महकमे की ओर से घंटों तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

ट्रेनें आती-जाती रहीं। दोपहर 3: 30 बजे रेलवे की टीम मौके पर पहुंची। फिर जेसीबी की मदद से जमीन पर पड़ी दरार को दूसरी जगह से मिट्टी लाकर भरा।

रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग की आरंभिक जांच में सामने आया कि उस जगह के पास मिट्टी काटी गई थी। इसके कारण ही भारी बारिश होने से जमीन धंस गई। उस जगह पर पीली मिट्टी है। इस बात का संदेह है कि कच्ची दीवार पर लगाने के लिए स्थानीय लोगों ने मिट्टी काटी होगी।

सीनियर डीसीएम सह सीनियर पीआरओ मो। इकबाल ने कहा कि जमीन धंसने का रेलवे लाइन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। ट्रेनों का परिचालन जारी है। सुरक्षा को लेकर सभी एहतियात बरते जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोले: केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति के एवज में राज्य से नहीं मांगे पैसा

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्वी क्षेत्रीय परिषद के सम्मेलन में कहा कि उग्रवाद की समस्या से निपटना केवल राज्य सरकार के लिए ही नहीं, बल्कि केंद्र सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। राज्य सरकार के पास जितने भी संसाधन उपलब्ध हैं, उनका उपयोग इस कार्य के लिए किया जा रहा है। केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति से केंद्र सरकार से भी हमें पर्याप्त सहयोग मिल रहा है। परंतु इस प्रतिनियुक्ति के एवज में राज्य सरकार को एक बड़ी राशि का भुगतान करना पड़ता है।

अगर केंद्र सरकार यह मानती है कि उग्रवाद को समाप्त करना केंद्र तथा राज्य सरकार की संयुक्त जिम्मेवारी है, तो ऐसी परिस्थिति में केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति के लिए केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार से

राशि के भुगतान की मांग नहीं की जानी चाहिए। बैठक में राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अलका तिवारी, विकास आयुक्त अविनाश कुमार, स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, गृह एवं कैबिनेट की प्रधान सचिव वंदना दादेल, पथ निर्माण सचिव सुनील कुमार व डीजीपी अनुराग गुप्ता आदि बैठक में शामिल थे।

रामरेखा धाम को रामायण सर्किट से जोड़ने की मांग : सीएम राज्य की आदिवासी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ाने पर जोर दिया। डीएमएफटी नीति में सुधार और पीएसयू क्षेत्रों में स्थानीयों को प्राथमिकता देने पर बल दिया। साथ ही बंद पड़ी खदानों के सुरक्षित बंदीकरण के लिए स्पष्ट नीति की आवश्यकता जताई। उन्होंने रामरेखा धाम को रामायण सर्किट और राज्य के बौद्ध स्थलों को बौद्ध सर्किट से जोड़ने की मांग भी रखी। सीएम ने राज्य में रेलवे नेटवर्क के विस्तार और अधूरे पड़े प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने का भी अनुरोध किया।

सीएम हेमंत सोरेन ने जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए भारत सरकार से आवश्यक आर्थिक सहयोग की अपेक्षा जताई है। सीएम ने कहा कि झारखंड के आदिवासी बाहुल्य संथाल परगना क्षेत्र के विकास को गति देने हेतु राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर स्थित साहिबगंज मल्टी मॉडल टर्मिनल (एमएमटी) को राजधानी रांची से जोड़ने के लिए रांची-साहिबगंज एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेस-वे का निर्माण भी कराया जाए। उन्होंने एसटी, एससी, ओबीसी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं के विस्तार और केंद्र से वित्तीय अनुदान की व्यवस्था करने की मांग की।

श्याम मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर संगीत समारोह, दिल्ली, वाराणसी और कोलकाता के कलाकारों ने दी शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के आईसीआर रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संगीत साधना केंद्र की 36वीं वर्षगांठ पर श्री देवराहा बाबा संगीत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गिरिडीह के उद्योगपति सुरेश जलान, मुकेश जलान, टफकोन स्टील के निदेशक मोहन साव और लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में विभिन्न शहरों से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। दिल्ली से डॉ समित मल्लिक ने ध्रुपद गायन किया। वाराणसी के भागीरथ जालान ने गायन और पंडित ललित कुमार ने तबला वादन किया। कोलकाता से तापस दास ने पखावज की प्रस्तुति दी।

स्थानीय कलाकारों में पंडित शंभू दयाल केडिया ने हारमोनियम वादन किया। केडिया बंधु पंडित मोरमुकुट केडिया और पंडित मनोज केडिया ने सितार-सरोद जुगलबंदी प्रस्तुत की। वाराणसी के ऋतिक शुक्ला ने बांसुरी और हर्षित उपाध्याय ने हारमोनियम वादन किया।

कार्यक्रम में रामकुमार सिन्हा ने बांसुरी, सुनील कुमार ने गायन, रविशंकर सिंह ने तबला, आयुष सिन्हा ने गायन, मानस मयंक ने वायलिन तथा अनुपम और नमन पाठक ने गायन प्रस्तुत किया। दर्शकों ने सभी प्रस्तुतियों की भरपूर सराहना की। समारोह में संगीत साधना केंद्र के सदस्यों के साथ सतीश केडिया, अजय सिन्हा, अंजनी सिन्हा, मुकेश जालान, दीपक उपाध्याय और आलोक रंजन समेत शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सावन की शुरुआत, बाबा बैद्यनाथधाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

देवघर, एजेंसी। श्रावण मास की शुक्रवार से शुरुआत हो गई। यह 9 अगस्त तक चलेगा। यह महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। इस बार सावन में कुल चार सोमवार पड़ेंगे। पहला सोमवार 14 जुलाई को आएगा। इसी दिन सावन का पहला व्रत रखा जाएगा। मान्यता है कि सावन के पहले सोमवार का विशेष महत्व होता है।

वहीं, सावन पर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ के जलाभिषेक के लिए शुक्रवार को आम श्रद्धालुओं और कांवरियों की कतार लग गई। आज सुबह तीन बजे मंदिर का पट खुला। कांचा जल स्नान ओर पारंपरिक सरदारी पूजा विधान से भगवान भोले नाथ की पूजा की गई। इसके बाद अरघा से जलार्पण शुरू

किया गया।जलार्पण के लिए कांवरियों की कतार तड़के सुबह से लगी हुई है। पूरा देवघर बोल बम के नारों की गूंज से गुंजायमान है। सभी कांवरिया कतारबद्ध हो कर बाबा का जयघोष करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं और जलाभिषेक कर रहे हैं।

देवघर में जिस तरह से देर शाम से ही कांवरियों की भीड़ पहुंची है, ऐसे में मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन को उम्मीद है कि आज पहले दिन की लाखों श्रद्धालु बाबा का जलार्पण करेंगे। इधर, बाबा पर जलाभिषेक के लिए कांवरियों की भीड़ लाइन में लगने के लिए देर शाम से ही रूट लाइन में उमड़ पड़ी।

गुरुवार से देवघर में राजकीय श्रावणी मेले की शुरुआत हो चुकी है। शुक्रवार से पूरे महीने तक स्पर्श पूजा बंद कर दी गई है। भक्तों को गर्भ गृह में प्रवेश नहीं मिलेगा। श्रद्धालु अरघा से जलार्पण कर बाबा का दर्शन करते हुए बाहर निकल जाएंगे।

रांची की महिलाओं के खाते में आये 2500 रुपये, तुरंत चेक करें अपना अकाउंट

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं के खाते में 2500 रुपये आने शुरू हो गये हैं। कुछ दिनों पूर्व ही पलामू की महिलाओं को 2500 रुपये की सौगात मिली थी। और अब राजधानी रांची में भी महिलाओं के अकाउंट में खटाखट पैसे आने शुरू हो गये हैं। कल 10 जुलाई को ही अधिकतर महिलाओं के खाते में योजना की राशि ट्रांसफर की गयी है।

इससे पहले अप्रैल महीने की राशि जून में लाभुकों के बैंक खाते में भेजी गयी थी। मंईयां सम्मान योजना के तहत महिला, बाल विकास एवं समाजिक सुरक्षा विभाग ने 559 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह राशि पांच महीने की है। मालूम हो जिन लाभुकों के बैंक अकाउंट आधार से लिंक्ड है। और साथ में डीबीटी ऑप्शन चालू है केवल उन महिलाओं के खाते में ही राशि भेजी जा रही है। रांची में बीएससी नर्सिंग की छात्रा की नहाते समय वीडियो बनाने का एक मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वीडियो बनाने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। छात्रा रिम्स में बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है।

राजधानी रांची में बीएससी नर्सिंग की छात्रा की नहाते समय वीडियो बनाने का एक मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वीडियो बनाने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक का नाम मनीष कुमार उर्फ लिलूवा बताया गया है।घटना कल गुरुवार दोपहर करीब 2-30 बजे की है। छात्रा रिम्स में बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है।इस संबंध में पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, जोड़ा तालाब स्थित उसी मोहल्ले में छात्रा के पड़ोस में किराये पर रह रहा था। जानकारी के अनुसार पीड़िता जब बाथरूम में नहा रही थी, उसी दौरान आरोपी ने खिड़की का शीशा हटाकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया। छात्रा को इस हरकत का आभास होते ही उसने शोर मचाया, जिसके बाद युवक मौके से भाग निकला।

कोल्हान में तीन दिन में 4 गजराज की मौत ने उठाए सवाल

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के कोल्हान प्रमंडल में बीते चार दिनों में तीन हाथियों की मौत से वन्यजीव प्रेमियों में गहरी निराशा है। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार को दो हाथियों की मौत हुई, जबकि इससे पहले एक और हाथी ने दम तोड़ दिया था। इन घटनाओं ने हाथियों के सामने मौजूद गंभीर खतरों को उजागर किया है, जिनमें नक्सली हिंसा और अज्ञात कारण दोनों शामिल हैं। पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी विस्फोट में घायल एक मादा हाथी ने गुरुवार को दम तोड़ दिया।

यह हाथी लगभग 14 वर्ष की थी और पिछले 10-15 दिनों से घायल अवस्था में भटक रही थी। पशु चिकित्सक डॉ। संजय घोलटकर के अनुसार, उसके पिछले पैर में गंभीर चोट थी, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। इस घटना से चार दिन पहले इसी क्षेत्र में एक नन्हे हाथी की मौत भी आईईडी विस्फोट के कारण हुई थी, जिससे कुल मिलाकर तीन हाथियों की मौत हुई है। मृत मादा हाथी को

जराइकेला वन विभाग कार्यालय लाया गया है, जहां शुक्रवार को उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा।इसी दिन, चाईबासा के टोंटो प्रखंड में लगभग 45 वर्षीय एक दंतैल हाथी का शव मिला है। बताया जा रहा है कि हाथियों का एक झुंड रात में उत्पात मचाने के बाद सुबह इस मृत हाथी को छोड़कर चला गया।

प्रारंभिक जांच में हाथी के शरीर पर किसी बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा।इन घटनाओं से पहले, नीमडीह में भी एक हाथी की मौत हुई थी, जिसने कोल्हान क्षेत्र में हाथियों की सुरक्षा पर चिंता बढ़ा दी है। यह घटना भी हाथियों के लिए बढ़ते खतरों को दर्शाती है।नक्सली गतिविधियां- सारंडा जैसे इलाकों में नक्सलियों द्वारा बिछाई गई आईईडी हाथियों के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हो रही हैं। ये विस्फोटक न केवल सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हैं, बल्कि निर्दोष वन्यजीवों की जान भी ले रहे हैं।

अज्ञात कारण और प्राकृतिक मौतें- टोंटो में मिले दंतैल हाथी के शव की तरह कई बार हाथियों की मौत के कारण स्पष्ट नहीं होते हैं। ये प्राकृतिक कारण, बीमारी या फिर मानव-हाथी संघर्ष के अप्रत्यक्ष परिणाम हो सकते हैं, जिनकी विस्तृत जांच की आवश्यकता है।

मानव-हाथी संघर्ष- इन वारदात में सीधे तौर पर इसका उल्लेख नहीं है, लेकिन वन क्षेत्रों में मानव आबादी के विस्तार और कृषि गतिविधियों के कारण मानव-हाथी संघर्ष भी हाथियों की मौत का एक बड़ा कारण बनता जा रहा है। अवैध शिकार और वन उत्पादों की तस्करी- हालांकि इस मामले में इसका सीधा प्रमाण नहीं है, लेकिन हाथी दांत और अन्य वन्यजीव उत्पादों की तस्करी भी हाथियों के लिए एक सतत खतरा बनी हुई है।

इन लगातार हो रही मौतों को रोकने के लिए वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हाथियों की सुरक्षा के लिए विशेष रणनीति बनाने और हाथियों के लिए सुरक्षित गलियारे सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

सुभाषितम्

कला प्रकृति की सहायता करती है और अनुभव कला की।

- टामस फुलर

युवा आबादी भारत की सबसे बड़ी ताकत

सरलता से सुशोभित शिव

आदि अनंत अविनाशी शिव की महिमा तो सर्वथा विख्यात है। महादेव की संज्ञा से सुशोभित शिव के जीवन में कितनी सरलता है यह तो अवर्णनीय है। कुबेर को लक्ष्मी के खजांची बनाने वाले शिव साधारण वेषभूषा धारण करते है। कर्पूर की तरह गौर वर्ण शिव शरीर पर भस्म रमाते है। प्रायः यह देखा जाता है कि विवाह में दूल्हा स्वयं को अनेक आभूषणों से सुसज्जित करता है, परंतु शिव जैसे सदैव दृष्टिगोचर होते है वैसे ही वह विवाह में सबके समक्ष प्रत्यक्ष हुए। सत्यम शिवम सुंदरम रूप शिव का कल्याण स्वरूप है। शिव का लिंग स्वरूप ब्रह्मांड का प्रतीक है। शिव को संहार का देवता कहा जाता है, परंतु जब कालकूट विष से पृथ्वी पर संकट आया तो उन्हीं महादेव ने विष को ग्रहण कर सभी को चिंता मुक्त किया। शिव ही तो है जिन्होने विष को ग्रहण कर एक और उपनाम नीलकंठ प्राप्त किया। यह वही शिव है जिन्होने श्री हरि विष्णु के कमल अर्पित करने पर उन्हें सुदर्शन चक्र प्रदान किया, जिसका प्रयोग श्री हरि नारायण सृष्टि के कुशल संचालन में करते है। उमापति महेश्वर शिव सदैव योग एवं ध्यान मुद्रा में ही रहते है, क्योंकि ध्यान ही शांत चित्त एवं आनंद स्वरूप प्रदान करता है। शिव प्रत्येक स्वरूप में अपनी श्रेष्ठता से शोभायमान होते है चाहे वह योगी हो, सन्यासी हो या गृहस्थ। शिव तो ओढर दानी है, अर्थात अनोखे दाता। आशुतोष शिव को प्रसन्न करना भक्त के लिए सबसे सरल है। शिव की सरलता तो उनको अर्पित सामाग्री से ही सिद्ध होती है, जो भी सामग्री सरलता से उपलब्ध हो वही शिव को अर्पित कर दो और भोलेनाथ से मनोवांछित फल प्राप्त कर लो। राजा हो या रंक शिव के लिए तो सभी समान है, मात्र जलधारा अर्पित करने से शिव संतुष्ट हो जाते है। यत्र-तत्र उगने वाला धतूरा, आक शिव को समर्पित किया जाता है। शिव की सरलता तो अतुलनीय है। एक बिल्वपत्र अर्पित करने पर भक्त के तीन जन्मों के पाप हर लेते है। अनायास भी शिव नाम मुख से उच्चरित हो गया तो वही जीवन के लिए कल्याणकारी सिद्ध हो जाएगा। शिव के बारह ज्योर्तिलिंगों का स्मरण करने मात्र से सात जन्मों के पाप क्षय हो जाते है। शिव की प्रतिमा या लिंग स्वरूप के अभाव में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर पूजन एवं अर्चन कर भी भक्त द्वारा मनोवांछित फल प्राप्त किया जा सकता है। इतनी सहजता तो अन्यत्र दुर्लभ है, इसलिए चन्द्रशेखर, उमापति अत्यंत वंदनीय है। भक्त ने शिव को जहां विराजमान किया और जो नाम प्रदान किया वह शिव सहर्ष स्वीकार कर लेते है। ज्योतिर्लिंग में भक्तों की तपस्या से उनकी मनोकामना पूर्ति के लिए आशुतोष सदैव प्रत्यक्ष रूप में विराजमान हो गए। राम नाम की अमृत धारा का रसास्वादन करने वाले शिव रामेश्वर एवं गोपेश्वर महादेव के रूप में भी दर्शन देते है। शिव भक्त का कल्याण तो श्री हरि नारायण भी करते है। रावण की शिव भक्ति का ही परिणाम था कि प्रभु श्री राम के हाथों उसे मुक्ति प्राप्त हुई। श्री हरि विष्णु भी कहते है कि जो शिव की आराधना करता है वह नारायण की कृपा का भी भागी होता है क्योंकि हरि और हर एक दूसरे को आराध्य मानते है। आशुतोष शिव शंकर भोलेनाथ गौरीपति प्रेम की भी उत्कृष्टता सिद्ध करते है। अंतर्यामी शिव सती के हठ को सहज स्वीकार करते है और शक्ति स्वरूपा माँ भगवती को भी कठिन तपस्या से ही प्राप्त होते है। अर्धनारीश्वर स्वरूप में शिव-शक्ति की समानता को उजागर करते है। स्वर्ण भवन निर्माण के पश्चात भी अपने दानी स्वरूप के कारण कैलाश में निवास करते है। सरलता से जीवन को साध्य बनाने वाले शिव की तो महिमा ही न्यारी है। कंठ के भीतर भी विष और बाहर भी विष विद्यमान है, इसके बाद भी वे एकाग्र और ध्यानचित्त दिखाई देते है। ऐसे आनंद स्वरूप भगवान शिव ही हो सकते है। ऐसी गृहस्थी किसकी होगी जिसमें सभी विपरीत स्वभाव वाले पशु-पक्षी सर्प, मोर, चूहा, शेर, बैल यह सभी प्रेम पूर्वक रहते है। शिव का अनुग्रह यदि जीवन में प्राप्त हो जाए तो जीवन में और कुछ प्राप्त करना शेष नहीं रह जाएगा। हम सदैव जीवन में इच्छाओं और कामनाओं की पूर्ति में लगे रहते है, परंतु उससे कहीं अधिक हम उस ईश्वरीय सत्ता से जुड़कर परम आनंद या अन्तर्मन की प्रसन्नता प्राप्त कर सकते है।

चिंतन-मनन

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर। बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है।अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा।

- किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर यह सर्वविदित है कि भारत दुनियाँ की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है,जो142.6 करोड़ से भी अधिक है व चीन से बहुत आगे निकल गया है, जिसमें युवाओं की संख्या सबसे अधिक है जो भारत की सबसे बड़ी ताकत है, जिनके बल पर आज हम तेजी से विकास कर रहे हैं। आज हम आज हम इस जनसंख्या विषय पर चर्चा करने की बात इस एंगल से कर रहे हैं क्योंकि 7 जुलाई 2025 शाम को सरकार से जानकारी आई कि भारत में 2027 में होने वाली जनगणना डिजिटल माध्यम से होगी,यानें घर बैठे हम खुद जनगणना का फॉर्म मोबाइल या किसी अन्य इंस्ट्रूमेंट पर भर सकते हैं, जिसके लिए सरकार एक पोर्टल लॉन्च करेगी। दूसरी बात शुक्रवार 11 जुलाई 2025 को विश्व जनसंख्या दिवस है, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र,यह मानता हूं कि भारत में 16 वर्षों के बाद जो डिजिटल जनगणना हो रही है उसमें काफी कुछ बदल जाने की संभावना है,यानें यहजनगणना अनोखी होगी, जिसमें जाति सहित अनेको सवालों की बौछार की जाएगी, जैसे फ्रिज टीवी वाहन प्रॉपर्टी घर मकान रोजगार इत्यादि अनेकों सवाल पूछे जाएंगे,आधार कार्ड की संलग्नता भी होगी, यानें जो लोग अभी संपन्न होते हुए भी, पर्दे के पीछे सरकारी योजनाओं का फायदा लाभ उठा रहे हैं, तथा टैक्स से बाहर हैं, उनकी आर्थिक संपन्नता पर्दे के पीछे ही है,सामने में वे हर क्षेत्र में आरक्षण सुविधा स्कीम,सरकारी योजनाओं का लाभ,जाली जाति कार्ड पर चुनाव लड़ रहे हैं, इत्यादि अनेकों लाभ अपात्र होते हुए भी उठा रहे हैं, इस जनगणना से वो पर्दे के पीछे इंजॉय करने वाले भारी मात्रा में सामने आ जाएंगे व टैक्स के दायरे में आ जाएंगे,व इन सभी सुविधाओं के लाभ को बंद करने की नौबत आने की संभावना है,क्योंकि वित्तीय स्लैब के ऊपर दर्ज होंगे,इसलिए टैक्स के दायरे में आ जाएंगे, दूसरी ओर उनको सरकारी सुविधाएं व लाभ समाप्त होने की संभावना बनी रहेगी।चूँकि विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2025 बनाम भारतीय डिजिटल जनगणना 2027, डिजिटल तकनीकी क्रांति के रूप में उभरेगी,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में 1 मार्च 2027 से शुरू होने वाली जनगणना,कई माइनों से अनोखी होगी- वार्षिक आय, जाति,मकान सहित अनेक व्यक्तिगत जानकारीयों से बहुत कुछ बदल जाने की संभावना हैं। साथियों बात अगर हम 7 जुलाई 2025 को सरकार द्वारा भारत के पहले डिजिटल जनगणना के ऐलान की करें तो,भारत में होने वाली अगली जनगणना को लेकर सरकार ने एक बड़ा ऐलान किया है। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी,जिसमें आम लोग खुद भी अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए सरकार एक खास वेब पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसके अलावा, मोबाइल ऐप के जरिए भी जनगणना का काम पूरा किया जाएगा। सरकार ने कहा है कि नागरिक चाहें तो खुद ही अपनी जनगणना की जानकारी वेब पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए दो चरणों में जनगणना होगी। पहला चरण हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस यानी घर और मकान की जानकारी, और दूसरा चरण पॉपुलेशन एनुमरेशन यानी जनसंख्या की गिनती। दोनों चरणों में लोग खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।कब होगी अगली जनगणना?जनगणना 2026 और 2027 में दो चरणों में होगी। पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा, जिसमें मकानों की गिनती की जाएगी। दूसरा चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा, जिसमें लोगों की जनसंख्या, जाति और बाकी जरूरी जानकारियां जुटाई जाएंगी। इसके लिए 16 जून 2024 को सरकारी अधिसूचना जारी की गई है। यह आजादी के बाद भारत की 8वीं और कुल 16वीं जनगणना होगी। 34 लाख कर्मचारियों को दी जाएगी ट्रेनिंगइतने बड़े काम के लिए सरकार ने देशभर में करीब 34 लाख लोगों को नियुक्त किया है। इन कर्मचारियों को तीन स्तरों पर ट्रेनिंग दी जाएगी। पहले राष्ट्रीय ट्रेनर, फिर मास्टर ट्रेनर और आखिर में फील्ड ट्रेनर इन्हें तैयार करेंगे। हर गांव और शहर को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा जाएगा और हर हिस्से के लिए एक कर्मचारी जिम्मेदार होगा। इससे कोई भी घर या व्यक्ति गिनती से न छूटे।सीमाओं में बदलाव की आखिरी तारीख तय,सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि अगर वे अपने जिलों, तहसीलों या पुलिस थानों की सीमाओं में कोई बदलाव करना चाहते हैं, तो उसे 31 दिसंबर 2025 से पहले कर लें। उसके बाद वही सीमाएं जनगणना में अंतिम रूप से मानी जाएंगी। सीमाएं तय करने के तीन महीने बाद ही जनगणना शुरू की जा सकती है। इससे जनसंख्या गिनती में कोई गड़बड़ी नहीं होगी। साथियों बात अगर हम डिजिटल जनगणना को समझने की करें तो,भारत की 16वीं जनगणना (2025झ27) सबसे पायदान पर डिजिटल होगी, जिसमें हम घर? बेठे स्वयं अपना फॉर्म भर सकते हैं।डिजिटल इ जनगणना क्या है? यह भारत की पहली 100 पेसेंट पूर्णतःडिजिटल सेंसेक्स होगी, बिना कागजी फॉर्म के,हम घर से ऑफिशियल पोर्टल या मोबाइल ऐप पर आधार लिंकड मोबाइल से लॉगिन कर फॉर्म भर सकते हैं।एक बार हमारा डेटा जमा होने के बाद, एक एनुमरेटर (गणना कर्मचारी) घर पर आकर आपके द्वारा भरी जानकारी की सत्यता की पुष्टि करेगा क्या पूछे जाएंगे?पारंपरिक जनगणना के सवालों (नाम, उम्र, लिंग, जन्मतिथि, वैवाहिक स्थिति, शिक्षा, रोजगार आदि) के साथ अब वस्तुओं की उपलब्धता (मोबाइल, टीवी, फ्रिज, वाहन) और घरेलू सुविधाएं (स्वच्छता, ईंधन, पेयजल स्रोत) के बारे में भी पूछी जाएगी।अनुमानित संख्याकरीब 34झ36 प्रश्न होंगे।प्रक्रिया और टाइमलाइन (1) स्वयं नोंदणी-आप घर से ऑनलाइन फॉर्म भरें और ओटीपी के जरिए सत्यापित करें (2) एनुमरेटर सत्यापन-बाद में सरकारी कर्मचारी हमारे पास आकर डेटा की जांच करेंगे और यदि कोई जानकारी अद्यतन करनी हो तो करेंगे। (3) दो टप्पे:फेज (1) (हाउस लिस्टिंग)-अक्टूबर 2026 से हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू काश्मीर, लद्दाख सहित कुछ इलाके शुरू होंगे। फेज (2) (पापुलेशन ऐनुमैरेशन), मार्च 2027 से पूरे देश में।डिजिटल इ जनगणना के फायदे(1) सटीकता व तेज डेटा संग्रह- मैनुअल त्रुटियाँ कम होंगी और परिणाम जल्दी मिलेंगे।

जनसंख्या नीति नहीं, जनजागरूकता है असली समाधान

-योगेश कुमार गोयल

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी। आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है। देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है। जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी ह्यवन चाइल्ड पॉलिसीह्न को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा।

जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है। शिक्षा के अभाव में ही देश की बड़ी आबादी को छोटे परिवार के लाभ को लेकर जागरूक नहीं किया जा सका है।

रोजगार से जुड़ी योजना: नौकरियों, आर्थिक विकास और औपचारिकीकरण की एक उत्प्रेरक

-सुश्री ज्योति विज

अब जबकि दुनिया स्वचालन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, भारत सरकार ने हाल ही में रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को स्वीकृति दी है। यह एक बेहद ही सामयिक और सोचा-समझा कदम है। लगभग एक लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाली यह योजना भारत के उभरते रोजगार परिदृश्य, विशेषकर मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, में एक साहसिक नीतिगत हस्तक्षेप है। अगले दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को समर्थन देने के उद्देश्य से तैयार की गई यह ईएलआई योजना महज एक आर्थिक उपाय भर नहीं है - यह भारत की श्रमशक्ति के भविष्य में एक ऐसा रणनीतिक निवेश है, जो सीधे तौर पर सरकार के विकसित भारत@2047 के विजन का समर्थन करता है। ईएलआई देश में रोजगार सृजन का एक प्रमुख उत्प्रेरक बनने जा रहा है। कई अन्य ऐसे देशों के उलट, जहां आबादी शीघ्र ही घटने लगेगी या घट चुकी है, भारत में अभी भी कार्यशील आयु वर्ग की एक ऐसी बड़ी आबादी है, जिसे रोजगार के अधिक अवसरों की जरूरत है। ईएलआई योजना का उद्देश्य नौकरी चाहने वालों और नौकरी देने वालों के बीच ही नहीं बल्कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण रूप से अनौपचारिक कार्य एवं औपचारिक रोजगार के बीच की खाई को पाटना है। रोजगार संबंधी तात्कालिक नतीजों से परे जाकर, इस बात पर गौर करना महत्वपूर्ण है कि ईएलआई योजना विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में भारत की प्रगति को मजबूत करती है। खासतौर पर, औपचारिक व दीर्घकालिक रोजगार को प्रोत्साहित करके एसडीजी 8 (सभ्य कार्य तथा आर्थिक विकास) और कम वेतन पाने वालों एवं पहली बार नौकरी चाहने वालों को लक्षित वित्तीय सहायता प्रदान करके एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) तथा एसडीजी 10 (असमानताओं में कमी) के संदर्भ में। आधार-समर्थ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रणाली (डीबीटी सिस्टम) के जरिए ईपीएफओ पंजीकरण एवं संवितरण के साथ इस योजना का जुड़ाव न केवल रोजगार सृजन बल्कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार भी सुनिश्चित करता है, जोकि एक न्यायसंगत और समावेशी अर्थव्यवस्था के निर्माण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। भारत द्वारा किए गए ऐसे प्रयासों को मान्यता देते हुए, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने हाल ही में भारत की इस उपलब्धि को स्वीकार किया और आधिकारिक तौर पर अपने डैशबोर्ड पर इस तथ्य को प्रकाशित किया कि भारत की 64.3 प्रतिशत आबादी (2015 में 19 प्रतिशत की तुलना में), यानी 94 करोड़ से अधिक लोग अब कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा लाभ के दायरे में हैं। मैन्यूफैक्चरिंग पर जोर खासतौर पर स्वागत योग्य है। जैसे-जैसे वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं नए सिरे से बदल रही हैं, भारत भी कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता वस्तुओं और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहा है। इन क्षेत्रों में दीर्घकालिक रोजगार सृजन का समर्थन करके, ईएलआई योजना पीएलआई योजनाओं, मेक इन इंडिया तथा स्किल इंडिया जैसी मौजूदा पहलों का पूरक बनने के साथ-साथ शहरी व अर्द्ध-शहरी, दोनों समूहों में औद्योगिक विकास को गति देगी।

आज का राशिफल

मेष आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो आगे चलकर प्रमोशन या सम्मान का आधार बनेंगी।

वृषभ नौकरीपेशा लोग किसी विशेष मीटिंग या प्रेजेंटेशन में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

मिथुन आज दिन तरक्की से भरा होगा। दिन विशेष उपलब्धियों वाला हो सकता है।

कर्क आप अपने काम को लेकर उत्साहित रहेंगे और अपनी निर्णय क्षमता के दम पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

सिंह आज दिन तरक्की और सफलता से भरा होगा। धन के मामले में भाग्य साथ दे रहा है।

कन्या आप अपनी सूझबूझ और अनुशासन के दम पर अपने करियर में अच्छा प्रभाव छोड़ेंगे।

तुला आज दिन थोड़ा संघर्षपूर्ण हो सकता है। करियर में कुछ अवरोध आ सकते हैं।

वृश्चिक दिन तरक्की से भरा होगा। कामकाज के लिए बेहद सकारात्मक रह सकता है।

धनु किस्मत साथ दे रही है। धनु राशि वालों के लिए करियर में उन्नति और वृद्धि के संकेत हैं।

मकर तरक्की से भरा होने के योग हैं। काम के सिलसिले में अच्छी खबर मिल सकती है।

कुंभ दिन उतार-चढ़ाव वाला हो सकता है। मेहनत ज्यादा और परिणाम थोड़े कम हो सकते हैं।

मीन मीन राशि वालों के लिए नौकरी और व्यवसाय में नए अवसर मिल सकते हैं।

विशेष

धर्म-जाति और भाषा की गुंडागर्दी

बिन ताकत सब सून, की सोच ने पूरी सामाजिक व्यवस्था को तहस-नहस करके रख दिया है। हर कोई अपनी ताकत दूसरों को दिखाने में आमादा है।महाराष्ट्र में भाषा के नाम पर जिस तरह की गुंडागर्दी और दादागिरी देखने को मिल रही है। उसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। अभी तक धर्म और जाति के आधार पर दादागिरी की जा रही थी। धर्म और जाति को गौरव के रूप में स्थापित किया जा रहा था। अब इसमें भाषा भी शामिल हो गई है। 70 साल पहले जब राज्यों का गठन हो रहा था। तब भाषा का विवाद बड़े रूप में सामने आया था। भाषा के आधार पर राज्यों का गठन हुआ। 70 के दशक में हिंदी को राजभाषा बनाने के समय हिंदी को लेकर भाषाई विवाद हुआ। महाराष्ट्र का वर्तमान भाषा विवाद आश्चर्यजनक है।जहां मराठी भाषा नहीं बोलने वालों को खुलेआम पीटा जा रहा है,वीडियो बनाई जा रही है। यह सब हिंदुओं और हिंदूभाषियों के साथ हो रहा है।

बिहार में विपक्ष का चक्का जाम

चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष ने अब अपनी निर्णायक लड़ाई का बिगुल बजा दिया है।विपक्ष के पास अब इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले केंद्रीय चुनाव आयोग के खिलाफ जो शंखनाद बिहार में हुआ है। उसकी आग जल्द बुझने वाली नहीं है। जीत किसकी होगी, कहना मुश्किल है। विपक्ष जीते या चुनाव आयोग जीते। दोनों ही स्थिति में लोकतंत्र की हार होगी, इतना तय है। टीएन सेशन के समय का चुनाव आयोग आज लोगों को याद आ रहा है। वर्तमान चुनाव आयोग को लेकर किसी को विश्वास नहीं रहा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1533 पोप क्लीमैन्ट सप्तम ने इंग्लैंड नरेश हेनरी अष्टम को समाज से बहिष्कृत कर दिया. 1810 नेपोलियन ने हालैंड पर अधिकार कर लिया. 1818 ब्रिटिश राजनेता विलियम ई. फारेस्टर का जन्म हुआ. 1899 ट्रांसवल सरकार ने आव्रजकों को सात साल बाद मताधिकार देने की घोषणा की. 1917 मोरक्को में शाह हसन की सत्ता पलटने की साजिश में गिरफ्तार लोगों को मौत के घाट उतार दिया. 1956 फिनो कारेलियन गणराज्य सोवियत संघ में शामिल हो गया. 1960 कटोगा के प्रधानमंत्री मोइसे शोम्बे ने अपने प्रांत को स्वतंत्र घोषित किया. 1963 इक्वाडोर में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया. 1967 हांगकांग में चीनी कम्युनिस्टों ने आतंकवादी गतिविधियाँ बढ़ा दी.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	धनु में
मंगल	सिंह में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	05.49 बजे से
सिंह	08.06 बजे से
कन्या	10.17 बजे से
तुला	12.28 बजे से
वृश्चिक	14.43 ब.से
धनु	16.59 बजे से
मकर	19.04 बजे से
कुंभ	20.50 बजे से
मीन	22.23 बजे से
मेष	23.54 बजे से
वृष	01.34 बजे से
मिथुन	03.32 बजे से

2025 वर्ष का 192 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 02.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 05.56 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 20.44 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.11 बजे तदनन्तर कौलव 02.09 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 15.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 06'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872402
जूलियन दिन 2460867.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 15

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
चर	05.55	से	07.23	बजे तक	**रोग**	05.38	से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51	बजे तक	**काल**	07.11	से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19	बजे तक	**लाभ**	08.43	से	10.15	बजे तक
काल	10.19	से	11.47	बजे तक	**उद्वेग**	10.15	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15	बजे तक	**शुभ**	11.47	से	01.19	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43	बजे तक	**अमृत**	01.19	से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10	बजे तक	**चर**	02.51	से	04.23	बजे तक
चर	04.10	से	05.38	बजे तक	**रोग**	04.23	से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सर्वार्थसिद्धि योग में पड़ेगा सावन का पहला सोमवार... तिथि, शुभ मुहूर्त, योग और पूजा विधि

सनातन धर्म में श्रद्धा और आस्था का प्रतीक सावन माह इस वर्ष 11 जुलाई 2025 से आरंभ होकर 9 अगस्त 2025 को समाप्त होगा। इस पूरे महीने को भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्ति का समय माना जाता है। इस बार सावन की शुरुआत ऐसे समय हो रही है जब सर्वार्थसिद्धि योग, आयुष्मान योग, प्रीति योग और श्रवण नक्षत्र जैसे चार शुभ संयोग एक साथ बन रहे हैं। इस बार सावन में चार सोमवार पड़ रहे हैं। पहला सोमवार 14 जुलाई, दूसरा 21 जुलाई, तीसरा 28 जुलाई, और चौथा सोमवार 4 अगस्त को होगा। इन चारों सोमवार को उपवास रखकर, शिवलिंग पर जलाभिषेक कर और भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने से विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

सावन में पड़ने वाले विशेष योग

सर्वार्थसिद्धि योग - यह योग सभी मनोकामनाओं की पूर्ति और महत्वपूर्ण कार्यों की सिद्धि के लिए सर्वोत्तम माना गया है।
प्रीति योग- प्रेम, शांति और सद्भावना बढ़ाने वाला शुभ योग।
आयुष्मान योग - यह योग लंबी उम्र, स्वास्थ्य और समृद्धि को बढ़ाता है।
श्रवण नक्षत्र - शुभ कार्यों की शुरुआत के लिए अत्यंत उत्तम मुहूर्त।

सावन का महत्व

हिंदू धर्म में सावन माह को भक्ति, व्रत, और साधना का महिना माना जाता है। मान्यता है कि इस समय सृष्टि का संचालन स्वयं भगवान शिव करते हैं। इस दौरान भक्त सोमवार का व्रत, रुद्राभिषेक, और शिवपुराण पाठ करते हैं। विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं द्वारा किए गए सोमवार व्रत को विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने वाला और मनचाहा जीवनसाथी पाने वाला व्रत माना गया है। इस पावन अवसर पर शिव मंदिरों में विशेष सजावट, जलाभिषेक, बेलपत्र अर्पण और रात्रि जागरण जैसे कार्यक्रमों की तैयारियां भी जोरों पर हैं। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार का सावन अत्यंत शुभ फलदायी रहेगा क्योंकि शुभ योगों का मेल न केवल धार्मिक कार्यों के लिए लाभकारी है, बल्कि यह जीवन की सभी बाधाओं को दूर करने का अवसर भी प्रदान करता है।

कब से शुरू होगा सावन मंगला गौरी व्रत, शुभ तिथियां और महत्व

मंगला गौरी व्रत सावन महीने के हर मंगलवार को रखा जाता है और यह देवी पार्वती जिनका एक नाम गौरी भी है, उन्हें समर्पित है। मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए रखती हैं। वहीं, अविवाहित लड़कियां मनपसंद जीवनसाथी और शीघ्र विवाह के लिए यह व्रत रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत रखने से कुंडली में मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और घर में सुख, समृद्धि और शांति बनी रहती है।

मंगला गौरी व्रत 2025 कब है?

सावन माह में पड़ने वाले मंगलवार के दिन मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। ऐसे में इस साल मंगला गौरी व्रत का आरंभ सावन माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि यानी कि 15 जुलाई से होगा। सावन कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि यानी कि मंगला गौरी व्रत के दिन का आरंभ ब्रह्म मुहूर्त से होगा और इसका समापन रात 10 बजकर 38 मिनट पर होगा। इस दिन माता गौरी की पूजा की जाएगी। इस बार सावन माह में चार मंगलवार पड़ेंगे यानी कि 4 मंगला गौरी व्रत रखे जाएंगे।

मंगला गौरी व्रत 2025 का महत्व

- मंगला गौरी व्रत रखने से विवाहित महिलाओं के वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। इस व्रत को रखने से पति को लंबी आयु मिलती है और उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
- ऐसी मान्यता है कि देवी पार्वती जिन्होंने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए घोर तपस्या की थी, इस व्रत को करने वाली सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देती हैं।
- यह पति-पत्नी के रिश्ते में प्रेम, समझ और तालमेल को बढ़ाता है जिससे गृहस्थी खुशहाल रहती है। अविवाहित कन्याओं के लिए मंगला गौरी व्रत शीघ्र विवाह और मनपसंद जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए अत्यंत प्रभावी माना जाता है।
- जो लड़कियां योग्य वर की तलाश में हैं या विवाह में किसी प्रकार की बाधा का सामना कर रही हैं उन्हें यह व्रत पूरी श्रद्धा से करने की सलाह दी जाती है। देवी पार्वती की कृपा से उनकी इच्छाएं पूरी होती हैं और उन्हें सुयोग्य जीवनसाथी मिलता है जो उनके जीवन को सुखमय बनाता है।
- मंगला गौरी व्रत कुंडली में मंगल दोष के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में सहायक होता है। मंगल दोष के कारण विवाह में देरी, वैवाहिक जीवन में समस्याएं या अन्य कष्ट आ सकते हैं।
- इस व्रत को करने से मंगल ग्रह के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं, जिससे जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को साहस और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है।
- जिन दंपत्तियों को संतान प्राप्ति में कठिनाई आ रही है, उनके लिए भी मंगला गौरी व्रत लाभकारी माना जाता है। देवी पार्वती को मातृत्व और सृजन की देवी माना जाता है।
- इस व्रत को सच्चे मन से करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है और संतान सुख की प्राप्ति में मदद मिलती है। यह व्रत संतान के स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए भी शुभ फलदायी होता है।

आखिर क्यों भगवान शिव को कहा जाता है महाकाल

सावन का महीना शुरू हो गया है। ऐसे में हर तरफ आप भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए लोगों को देखती होंगी। भगवान शिव को कई नामों से पुकारा जाता है। उन्हें महादेव, भोलेनाथ, शंकर, शंभू, आदि नामों से पुकारा जाता है, लेकिन आखिर क्यों उन्हें महाकाल पुकारा जाता है?

आखिर भगवान शिव को यह नाम क्यों मिला?

पौराणिक कथाओं के अनुसार उज्जैन में एक शिव भक्त ब्राह्मण निवास करता था। यहां पर रहने वाले लोग दूषण नाम के राक्षस के प्रकोप से डरते थे। लोग उसे काल के नाम से जानते थे। ब्रह्मा जी से दूषण को कई शक्तियां मिली थी, जिनका दुरुपयोग कर वह निर्दोष लोगों को परेशान करता था। राक्षस की शक्तियों के प्रकोप से ब्राह्मण काफी दुखी था, उसने भगवान शिव से राक्षस के नाश की प्रार्थना की, लेकिन भगवान ने काफी वक्त तक कुछ नहीं किया। प्रार्थनाओं का असर न होता देख एक दिन ब्रह्म भगवान शिव से नाराज हो गए और उनका पूजन बंद कर दिया। अपने ब्राह्मण भक्त को दुखी देख भगवान शिव हुंकार के रूप में प्रकट हुए और दूषण का वध कर दिया। क्योंकि लोग दूषण को काल कहते थे, इसलिए उसके वध के कारण भगवान शिव का नाम महाकाल पड़ा।

क्या होता है महाकाल का मतलब?

काल का मतलब होता है समय और महाकाल का मतलब हुआ है वह जो समय से परे है अथवा उसका नियंत्रणकर्ता है। मान्यताओं के अनुसार, शिव जी प्रलय, विघटन या मृत्यु के देव हैं और वह हमारे समय यानी काल को भी नियंत्रित करते हैं।

महाकाल की पूजा

राक्षस का वध करने के कारण बाबा महाकाल की पूजा का विशेष महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से बाबा महाकाल की आराधना करता है, उसे कभी मृत्यु का भय नहीं होता है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लोटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वहीं दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

सनातन धर्म में मंगला गौरी का व्रत माता पार्वती को समर्पित है। इस दिन विशेष रूप से दान-पुण्य करने का विधान है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है।

सावन के मंगला गौरी व्रत के दिन महिलाएं जरूर करें इन चीजों का दान, अखंड सौभाग्य का मिलेगा वरदान

हिंदू धर्म में सावन का महीना भगवान शिव के साथ-साथ माता पार्वती को समर्पित होता है। इस पवित्र महीने के दौरान पड़ने वाले हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। यह व्रत विशेष रूप से सुहागिन स्त्रियों द्वारा अपने पति की लंबी आयु, अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए किया जाता है।
कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती हैं। अब ऐसे में जो महिलाएं इस दिन दान-पुण्य कर रही हैं, उन्हें किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है।

करें हरी चूड़ियों का दान

मंगला गौरी व्रत विशेष रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य के लिए रखा जाता है। चूड़ियां सुहाग का प्रतीक होती हैं और इनका दान करने से माता पार्वती प्रसन्न होती हैं, जिससे सुहागिनों को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत के दिन सुहागिन महिला को चूड़ियों का दान करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम, शांति और मधुरता आती है। पति-पत्नी के बीच के कलेश दूर होते हैं और संबंध मजबूत होते हैं। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है, उनके लिए भी मंगला गौरी व्रत और इस दिन सुहाग की वस्तुओं, विशेषकर चूड़ियों का दान करना बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं।

काजल का दान

ज्योतिष शास्त्र में काजल को बुरी नज़र से बचाने वाला और नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने वाला माना गया है। मंगला गौरी व्रत के दिन काजल का दान करने से वैवाहिक जीवन को लगी बुरी नजर उतर जाती है और दांपत्य जीवन में नकारात्मकता भी नष्ट होने लगती है। मंगला गौरी व्रत मुख्य रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है।

मसूर की दाल का दान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल गौरी व्रत मंगल ग्रह से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए रखा जाता है। मसूर की दाल का संबंध मंगल ग्रह से होता है, और इसे दान करने से कुंडली में मंगल की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है, उनके विवाह में बाधाएं आती हैं या वैवाहिक जीवन में परेशानियां रहती हैं।
मंगला गौरी व्रत के दिन मसूर की दाल का दान करने से इस दोष का प्रभाव कम होता है और वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है।

अडानी की ऊंची बोली से बढ़ा जेपी पावर का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। जेपी ग्रुप की कंपनी जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) के शेयर शुक्रवार को 52 हफ्ते की नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। जेपी पावर के शेयर शुक्रवार को बीएसइ में करीब 8 पर्सेंट के उछाल के साथ 24.86 रुपये पर जा पहुंचे

हैं। पिछले पांच दिन में कंपनी के शेयरों में 23 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। जेपी पावर के शेयरों को उन रिपोर्ट्स से तगड़ा बूस्ट मिला है, जिनमें कहा गया है कि इनसॉल्वेंसी रेजॉलूशन प्रोसेस (दिवालिया समाधान प्रक्रिया) के तहत जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेपी एसोसिएट्स) को खरीदने के लिए अडानी ग्रुप सबसे बड़ी बोली लगाने वाले ग्रुप के रूप में उभरा है।

दो महीने में 85 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं कंपनी के शेयर- जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) के शेयर पिछले दो महीने में 85 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। जेपी पावर के शेयर 9 मई 2025 को 13.28 रुपये पर थे। पावर कंपनी के शेयर 11 जुलाई 2025 को 24.86 रुपये पर जा पहुंचे हैं। अगर पिछले एक महीने की बात करें तो जेपी पावर के शेयरों में 35 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। पिछले 6 महीने में पावर कंपनी के शेयर 55 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। जेपी पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 24.86 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 12.35 रुपये है।

टीसीएसकर्मचारियों के इंक्रीमेंट का फैसला टला

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अपने कर्मचारियों के वे इंक्रीमेंट को एक और क्वार्टर के लिए टाल दिया है। कंपनी के मुख्य एचआर अधिकारी मिलिंद लक्कड़ ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, हम अभी तक वेतन वृद्धि चक्र पर कोई निर्णय नहीं ले पाए हैं। पहले टीसीस हर साल 1 अप्रैल (वित्तीय वर्ष की शुरुआत) पर वेतन

वृद्धि लागू करती थी।

कर्मचारियों की संख्या बढ़ी- टीसीएसने पहली तिमाही में 5,090 नए कर्मचारी भर्ती किए। इसके साथ ही कंपनी में कुल कर्मचारियों की संख्या 6,13,000 से अधिक हो गई है। हालांकि, लक्कड़ ने स्पष्ट किया कि भर्ती को तिमाही वृद्धि से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। यह साल भर की योजना के तहत होती है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के मुताबिक उन्होंने यह भी माना कि पिछली तिमाहियों में अधिक भर्ती के बाद व्यावसायिक चुनौतियों के कारण कुछ असंतुलन पैदा हुआ, जिसे आगे के काम में इस्तेमाल करने की योजना है।

रेवेन्यू में मामूली वृद्धि- टीसीएस ने पहली तिमाही में पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले केवल 1.3 प्रतिशत की मामूली वार्षिक वृद्धि दर्ज की, जिससे राजस्व 63,437 करोड़ हुआ। पिछली तिमाही की तुलना में राजस्व में 1.6 प्रतिशत की गिरावट आई।

मुनाफा बढ़ा- हालांकि, नेट प्रॉफिट पिछले साल की तुलना में लगभग 6 प्रतिशत और पिछली तिमाही की तुलना में 4.4 प्रतिशत बढ़कर 12,760 करोड़ हो गया। यह बढ़त एक बड़े प्रोजेक्ट को बंद करने से हुई बचत और टैक्स लाभ के कारण संभव हुई।

यूपीआई के जरिए दुनिया में सबसे तेज गति से भुगतान करने वाला देश बना भारत, आईएमएफ ने भी माना लोहा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के यूपीआई का अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी लोहा मान लिया है। इसने एक रिपोर्ट में कहा, यूपीआई के तेज विकास के कारण भारत अब किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक तेजी से भुगतान करता है। इससे डेबिट और क्रेडिट कार्ड सहित भुगतान के अन्य साधनों का उपयोग घट रहा है।

आईएमएफ ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, 2016 में लॉन्च होने के बाद से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का तेजी से विकास हुआ है। यूपीआई के जरिये अब प्रति माह 18 अरब से अधिक लेनदेन हो रहा। यह भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों में अग्रणी है। यूपीआई जैसी अंतर संचालनीय भुगतान प्रणालियां, क्लोज्ड-लूप प्रणालियों के विकल्प हैं जो डिजिटल भुगतान को अपनाने को भी बढ़ावा दे सकती हैं। ऐसी प्रणालियां विभिन्न भुगतान प्रदाताओं के यूजर्स के बीच निर्बाध भुगतान की अनुमति देती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुल डिजिटल भुगतान भी नकदी

उपयोग के सापेक्ष बढ़ रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने उपोयगकर्ता अनुभव बढ़ाने के लिए यूपीआई में नई सुविधाएं शुरू की हैं। इसमें क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स, लोन और इंश्योरेंस सेवाओं के एकीकरण और अन्य अनेक सुविधाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा के दौरान यूपीआई की अंतरराष्ट्रीय पहुंच का नया उदाहरण देखने को मिला।

इससे पहले विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने डिजिटल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि व्यक्त की। त्रिनिदाद और टोबैगो यूपीआई को अपनाने वाला पहला कैरेबियाई देश बन गया है। दोनों देशों ने डिजिटल क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने और इंडिया स्टैक सॉल्यूशंस जैसे डिजीलॉकर, ई-साइन और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के कार्यान्वयन में सहयोग पर सहमति जताई।

गौरतलब है कि बीते जनवरी माह में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने अमेरिका, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात समेत दस देशों के अप्रवासियों को एनआरई (नॉन रेसीडेंट एक्सटर्नल) या एनआरओ (नॉन रेसीडेंट ऑर्डिनरी) खातों से यूपीआई का इस्तेमाल करके धन के हस्तांतरण (डिजिटल रूप से) करने की अनुमति दी है। एनपीसीआई ने एक सर्कुलर में कहा कि उसे अप्रवासियों को यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) में लेन देन के लिए अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करने की अनुमति देने के लिए अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं।

प्रमोटर वारंट के लिए 75 प्रतिशत वोट जुटाने में जी एंटरटेनमेंट फेल

नई दिल्ली, एजेंसी। जी एंटरटेनमेंट के शेयरों में शुक्रवार सुबह के कारोबार में भारी दबाव देखा गया। शेयर की कीमत 6.7 प्रतिशत गिरकर 133.05 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गई। सुबह 9-45 बजे तक शेयर 3.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 137.45 पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसी दौरान बीएसई सेंसेक्स सिर्फ 0.21 प्रतिशत नीचे था। कंपनी का मार्केट कैप 13,202.34 करोड़ रह गया। यह शेयर अपने 52-सप्ताह के उच्च स्तर 163.90 से काफी नीचे है, हालांकि मार्च में यह 89.29 के निचले स्तर पर भी गया था।

वोटिंग में क्यों हुआ असफल- शेयरों में गिरावट की मुख्य वजह कंपनी द्वारा शेयरधारकों से वारंट जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी न मिलना है। जी ने प्रमोटर ग्रुप (गोयनका परिवार) को 2,237.44 करोड़ की राशि जुटाने के लिए वारंट जारी करने की योजना बनाई थी, ताकि उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 18.4 प्रतिशत हो जाए। मगर इस प्रस्ताव को सिर्फ 59.51 प्रतिशत वोट ही मिले, जबकि जरूरी थे 75 प्रतिशत।

विरोध करने वालों में कौन थे- सार्वजनिक संस्थागत निवेशकों में से 52.2 प्रतिशत और सार्वजनिक गैर-संस्थागत निवेशकों में से 20.2 प्रतिशत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। ध्यान देने वाली बात यह है कि जी में 96 प्रतिशत शेयर सार्वजनिक निवेशकों के पास हैं, जिनमें एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एलआईसी और नॉर्वे का गवर्नमेंट पेंशन फंड जैसे बड़े संस्थान शामिल हैं।

कंपनी का जवाब और भविष्य की चिंताएं

जी ने एक बयान में कहा कि वह 60 प्रतिशत समर्थन का आभारी है, मगर शेष शेयरधारकों के फैसले का भी सम्मान करती है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि आगे बढ़ने के लिए उसे वार चेस्ट की जरूरत है ताकि वह बदलते बाजार और प्रतिस्पर्धा का मुकाबला कर सके।

मालिकाना हक का गणित

इस वोटिंग के असफल होने से प्रमोटर की हिस्सेदारी अभी सिर्फ 94 प्रतिशत ही रहेगी। जी के प्रमोटर्स ने जून में ही 132 प्रति वारंट की कीमत पर 16.95 करोड़ वारंट खरीदने का प्रस्ताव रखा था। अब यह योजना रुक गई है, जिससे कंपनी के विकास और प्रतिस्पर्धी रणनीतियों पर असर पड़ सकता है।

क्या करें निवेशक

इस घटना के बाद शेयर की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, अगले सप्ताह शेयर के लिए महत्वपूर्ण सहारा 133-134 के आसपास है, जबकि प्रतिरोध 152-158 के बीच मौजूद है।

भारत में खुदरा ऋण का नया दौर, आवास ऋण से मिलेगी रफ्तार

मुंबई। भारत में खुदरा ऋण वृद्धि का अगला चरण आवास ऋण से प्रेरित होगा। साथ ही प्रति उधारकर्ता ऋण में भी उल्लेखनीय वृद्धि आने की उम्मीद है। यह जानकारी वैश्विक फर्म बर्नस्टीन की एक ताजा रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा किफायती आवास क्षेत्र से आने की संभावना है। लगभग 3 प्रतिशत रिटर्न ऑन एसेट (आरओए) देने वाले किफायती आवास ऋण क्षेत्र में 500 अरब डॉलर तक की कर्ज देने की संभावना है। हालांकि, इसमें सफलता उन ऋणदाताओं को ही मिलेगी, जो अपने ऑपरेटिंग मॉडल को देश के विभिन्न राज्यों में लगातार और बड़े स्तर पर लागू कर सकें।

200 मिलियन से अधिक नए उपभोक्ता जुड़े

पिछले एक दशक में क्रेडिट सेक्टर में सबसे बड़ी वैल्यू क्रिएशन उन संस्थाओं द्वारा की गई जो औपचारिक वित्तीय प्रणाली तक नए ग्राहकों की पहुंच बढ़ाने में सफल रहीं। इस दौरान ऋण प्रणाली में 200 मिलियन से अधिक नए उपभोक्ता जुड़े और उधारकर्ताओं की संख्या कुल कर्ज की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ी। इसमें कहा गया कि लगभग 60 प्रतिशत भारतीय श्रम शक्ति के पास ऋण तक पहुंच है, विशेष रूप से मॉर्गेज यानी होम लोन के रूप में। मॉर्गेज एक प्रकार का ऋण है जिसका उपयोग घर, जमीन या अन्य अचल संपत्ति खरीदने या उस पर पैसे उधार लेने के लिए किया जाता है।

भारत में फिलहाल मॉर्गेज का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 11 प्रतिशत है। यह चीन के 30 प्रतिशत और विकसित देशों के 50 प्रतिशत से अधिक के आंकड़े की तुलना में काफी कम है। वहीं, गैर-मॉर्गेज खुदरा ऋण भारत में पहले ही जीडीपी के 30 फीसदी से अधिक तक पहुंच चुका है । यह कई अन्य उभरते और विकसित देशों से अधिक है। रिपोर्ट का अनुमान है कि अगर आने वाले वर्षों में बंधक ऋण में लगातार वृद्धि होती रही, तो वित्त वर्ष 2035 तक देश में 1.5 ट्रिलियन डॉलर का आवास ऋण बाजार बन सकता है।

बिटकॉइन 117000 डॉलर को पार कर ऑल टाइम हाई पर

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टोकरेंसी अपने नए शिखर को पर पहुंच गया है। गुरुवार को एक क्रिप्टोकरेंसी 118062.60 डॉलर के भाव पर कारोबार करता दिखा और अपने पिछले हाई 117000 डॉलर को पार कर गया। भारतीय रुपये में एक बिटकॉइन की कीमत करोड़ से अधिक करीब 10136974.07 रुपये हो गई है। दुनिया की सबसे प्रचलित क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमतों में उछाल निवेशकों के निरंतर आशावाद और बढ़ती संस्थागत रुचि के कारण आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों ने भी क्रिप्टोकरेंसी की मजबूती में योगदान दिया है। जैसे-जैसे क्रिप्टो बाजार 2025 की दूसरी छमाही में प्रवेश कर रहा है, निवेशकों का ध्यान प्रमुख मैक्रो संकेतकों पर केंद्रित हो रहा है। आगामी अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े और फेड के फैसले क्रिप्टोकरेंसी बाजार में रुझानों को नई दिशा देंगे। फिलहाल, निवेशकों के बीच आशावाद का माहौल है।

सस्ती हो सकती हैं करीब 200 महंगी दवाएं, कस्टम ड्यूटी में छूट देने की सिफारिश

नईदिल्ली, एजेंसी। एचआईवी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को कुछ राहत मिल सकती है। एक सरकारी पैनल ने करीब 200 जरूरी दवाओं पर कस्टम ड्यूटी में छूट देने की सिफारिश की है। इसमें कैंसर की कुछ दवाओं पर आयात शुल्क पूरी तरह खत्म करने की बात कही गई है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। समिति ने पेमब्रोलीजुमाब, ओसिमर्टिनिब और ट्रास्तुजुमाब डेरुक्सटेकेन को पूरी तरह कस्टम ड्यूटी से मुक्त करने की सिफारिश की है।

ये दवाएं कैंसर के इलाज में काम आती हैं। इनकी एक डोज की कीमत लाखों में होती है। यही वजह है कि ज्यादातर लोग इन्हें खरीद नहीं पाते हैं। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने अगस्त 2024 में एक पैनल बनाया था ताकि महंगी दवाओं पर राहत दी जा सके। पैनल ने कैंसर के अलावा ट्रांसप्लांट में काम आने वाली दवाओं, क्रिटिकल केयर मेडिसिन और एडवांस डायग्नोस्टिक किट पर भी छूट देने की सिफारिश की है। ये किट बाहर से मंगाई जाती हैं या भारत में मिलती नहीं हैं।

महंगी दवाएं- इस लिस्ट में कैंसर और सिकल सेल एनीमिया के इलाज में काम आने वाली दवा हाइड्रॉक्सीयूरिया भी शामिल है। साथ ही एनोक्सापारिन के नाम से बिकने वाली लो मॉलिक्यूलर वेट हेपरिन को भी कस्टम ड्यूटी से मुक्त करने की बात कही गई है। इसका इस्तेमाल खून के थक्के जमने और डीप वेन थ्रोम्बोसिस को रोकने में होता है।

5 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी वाली लिस्ट में 74 दवाएं हैं जबकि पूरी छूट वाली लिस्ट में 69 दवाएं हैं। दुर्लभ बीमारियों के इलाज में काम आने वाली 56 दवाओं को भी कस्टम ड्यूटी से छूट देने की बात कही गई है। पैनल ने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी, सिस्टिक फाइब्रोसिस, गौचर डिजीज, फैब्री डिजीज, लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर और वंशानुगत एंजाइम की कमी जैसी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर कस्टम ड्यूटी हटाने की सिफारिश की है। इनमें से कुछ दवाएं दुनिया की सबसे महंगी दवाओं में से हैं। इनके एक कोर्स की कीमत करोड़ों में होती है।

परमानेंट कमेटी- इस लिस्ट में ज़ोल्गेन्स्मा, स्पिनराज़ा, एव्रिस्डी, सेरेज़ाइम और तख़ज़ीरो जैसी दवाएं भी शामिल हैं। ये सभी दवाएं बहुत महंगी हैं और ज्यादातर भारतीय मरीजों के लिए इन्हें खरीदना नामुमकिन है। ज़ोल्गेन्स्माको दुनिया की सबसे महंगी दवा माना जाता है जिसकी एक डोज 17 करोड़ रुपये की है। पैनल ने यह भी सिफारिश की है कि छ्त्र॥स् के तहत एक परमानेंट इंटर-डिपार्टमेंटल कमेटी बनाई जाए जो इन दवाओं की समीक्षा करे और डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यू को सिफारिश दे।

अक्टूबर तक पूरी तरह प्राइवेट हो जाएगा आईडीबीआई बैंक, तीन साल से बेचने में लगी है सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने शेयर खरीद समझौते पर चर्चा की है, जो वित्तीय बोली लगाने वाले बोलीदाताओं को दिया जाएगा। आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया पिछले तीन साल से चल रही है। सरकार ने अक्टूबर, 2022 में सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलाईसी के साथ मिलकर आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के लिए निवेशकों से कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने को रुचि पत्र (ईओआई) मांगे थे। इसमें भारत सरकार की 30.48 प्रतिशत और एलआईसी की 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है।

अधिकारी ने बताया कि डेटा रूम के लिए उचित प्रक्रिया अभी चल रही है और सरकार जल्द ही वित्तीय बोलियां आमंत्रित करेगी। उन्होंने कहा कि आईडीबीआई बैंक में रणनीतिक हिस्सेदारी की बिक्री अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। अक्टूबर, 2022 में रुचि पत्र आमंत्रित करने के बाद जनवरी, 2023 में निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) को आईडीबीआई बैंक के लिए कई रुचि पत्र प्राप्त हुए।

दूसरा बड़ा इनिशिएटिव

आईडीबीआई बैंक के संभावित खरीदार को गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा पहले ही सुरक्षा मंजूरी प्रदान कर दी गई है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा उपयुक्त और उचित मूल्यांकन को मंजूरी दे दी गई है। सरकार के लिए एयर इंडिया की बिक्री के बाद यह सबसे बड़ा निजीकरण इनिशिएटिव होगा। वित्त वर्ष 2025 में सरकार को डीआइपीएएम से कुल 68,263 करोड़ रुपये मिले जिसमें विनिवेश से प्राप्त 8,625 करोड़ रुपये शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में विनिवेश और एसेट मॉनेटाइजेशन से 47,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

इंतजार की घड़ियां खत्म, अगले हफ्ते भारत के मुंबई में खुल रहा मस्क की टेस्ला का पहला शोरूम

नईदिल्ली, एजेंसी। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में एंट्री करने जा रही है। इसे भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बाजार के लिए अहम माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला 15 जुलाई को मुंबई के जियो वर्ल्ड ड्राइव में अपना पहला एक्सपीरियंस सेंटर खोलेगी। इससे भारत में टेस्ला के आने का रास्ता खुल गया है। टेस्ला ने मार्च में 4,000 वर्ग फुट की जगह किराए पर ली थी। यह जगह मुंबई में ऐपल के बड़े स्टोर के पास है।

टेस्ला भारत में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। जून में कंपनी ने मुंबई के कुर्ला वेस्ट में एक जगह किराए पर ली। यहां पर गाड़ियों की सर्विसिंग का काम होगा। इस तरह भारत में टेस्ला की कुल चार जगहें हो गई हैं। पुणे में एक इंजीनियरिंग हब है, बेंगलुरु में रजिस्टर्ड ऑफिस है और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के पास एक अस्थायी ऑफिस है।

चीन की टीम कर रही काम

टेस्ला के इंडिया हेड प्रशांत मेनन ने पिछले महीने नौकरी छोड़ दी। वह नौ साल से कंपनी में थे। अभी टेस्ला की चीन वाली टीम भारत का काम देख रही है। अभी तक किसी नए हेड का नाम नहीं बताया गया है। फिर भी टेस्ला भारत में अपने काम को आगे बढ़ा रही है। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने जून में कहा था कि टेस्ला अभी भारत में गाड़ियां बनाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा था कि टेस्ला भारत में सिर्फ शोरूम खोलना चाहती है और बाहर से आई गाड़ियां बेचना चाहती है।

टेस्ला का यह कदम भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बाजार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अब देखना यह है कि टेस्ला भारत में कितनी जल्दी अपनी गाड़ियां लॉन्च करती है और लोगों को यह कितनी पसंद आती हैं। मुंबई में एक्सपीरियंस सेंटर खुलने से लोगों को टेस्ला की गाड़ियों के बारे में जानने और उन्हें करीब से देखने का मौका मिलेगा। इससे टेस्ला को भारत में अपनी पहचान बनाने में मदद मिलेगी।

लॉर्ड्स टेस्ट

इंग्लैंड पहली पारी में 387 रन पर ऑलआउट, जसप्रीत बुमराह को 5 विकेट

रूट का शतक, कार्स ने 56 रन बनाए

लंदन, एजेंसी। बुमराह ने इस सीरीज में दूसरी बार 5 विकेट हॉल हासिल किया है। उन्होंने जोफा आर्चर, क्रिस वोक्स, जो रूट बेन स्टोक्स और हैरी ब्रूक को आउट किया। भारत ने इंग्लैंड को लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 387 रन पर ऑलआउट कर दिया है। शुक्रवार को मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड ने 251/4 के स्कोर से खेलना शुरू किया। लंच से पहले इंग्लिश टीम ने 271 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जैमी स्मिथ (51 रन) ने ब्रायडन कार्स (56 रन) के साथ 8वें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी करके स्कोर 350 पार पहुंचा दिया। लॉर्ड्स मैदान पर 99 रन से पारी को आगे बढ़ाने वाले जो रूट ने 104 रन बनाए। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर दिया। बुमराह ने पारी में 5 विकेट झटके। उन्होंने इस सीरीज में दूसरी और करियर में 15वीं बार पारी में 5 विकेट झटके हैं।

5 गेंद पर 5 विकेट, आयरलैंड के गेंदबाज ने रचा इतिहास; 88 रन पर ऑल आउट हुई विरोधी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैंपर पेशेवर क्रिकेट में 5 गेंद पर 5 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार (10 जुलाई) को इंटर-प्रोविंसिल टी20 ट्रॉफी में नॉर्थ-वेस्ट वॉरियर्स के खिलाफ मुंस्टर रेड्स की ओर से खेलते हुए 2.3 ओवर में 16 रन देकर 5 विकेट लिए। मुंस्टर रेड्स के कप्तान कैंपर ने अपने दूसरे और तीसरे ओवर में पांच विकेट लिए। इससे वॉरियर्स की टीम 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 87/5 से 88 पर ऑल आउट हो गई। पांच विकेट में से पहले विकेट जेरेड विल्सन 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। कैंपर की स्विंग से गेंद ऑफ स्टंप पर जा लगी। अगली गेंद पर ग्राहम ह्यूम बैकफुट पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। इनस्विंगर उनके पैड पर लगी। कैंपर ने अपने अगले ओवर की शुरुआत में हैट्रिक पूरी की। 14वें ओवर की पहली गेंद पर एंडी मैकब्राइन डीप मिडविकेट की ओर स्लॉग शॉट खेलने में चूक गए। विकेट लेने का सिलसिला तब जारी रहा जब नंबर 10 रॉबी मिलर पहली गेंद पर कैच आउट हो गए। वह ऑफ स्टंप के बाहर गेंद को मारने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद कैंफर ने राउंड द विकेट गेंदबाजी करते हुए नंबर 11 पर जोश विल्सन को आउट किया। उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज से बाहर होने के बाद यह कैंफर का दूसरा मैच था। मंगलवार को लेइनस्टर लाइटनिंग के खिलाफ अपने वापसी मैच में उन्होंने 35 गेंदों पर 57 रन बनाए थे, लेकिन गेंदबाजी नहीं की थी। गुरुवार को भी उन्होंने 24 गेंदों पर 44 रन बनाए और फिर पांच विकेट लिए।

नहीं होगा एशिया कप 2025

भारत और श्रीलंका ने किया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर में होने वाले एशिया कप 2025 पर संकट के बादल और ज्यादा मंडराने लगे हैं. अब इस टूर्नामेंट के रद्द होने की संभावना जताई जा रही है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और श्रीलंका क्रिकेट ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद की बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है. रिपोर्ट के अनुसार, दोनों बोर्ड ने ये फैसला ऐसे समय लिया है, जब छह देशों के इस टूर्नामेंट के शुरू होने में दो महीने से भी कम दिन बचे हैं.

क्या है बैठक में हिस्सा न लेने की वजह?

इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है. 5 सितंबर से इस टूर्नामेंट की शुरुआत हो सकती है, लेकिन इससे पहले 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एसीसी की मीटिंग में बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट के हिस्सा न लेने से इस टूर्नामेंट के होने पर सवालिया निशान लग रहे हैं. बीसीसीआई ने एसीसी की मीटिंग ढाका में होने पर आपत्ति जताई है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी वर्तमान में एसीसी के अध्यक्ष हैं. बीसीसीआई ने हाल ही में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भारत के बांग्लादेश दौरे को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के लिए मना लिया था. ये दौरा अगस्त में होने वाला था, लेकिन एसीसी ने अपनी बैठक ढाका में आयोजित कर दिया, जिससे बीसीसीआई खुश नहीं है, क्योंकि बांग्लादेश के राजनीतिक हालत इस समय ठीक नहीं है.

एसीसी ने क्या कहा?

रिपोर्टों के अनुसार, एशिया कप की मेजबानी को लेकर बीसीसीआई की चुप्पी के कारण प्रायोजक और प्रसारणकर्ता असमंजस में हैं. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड एक हाइब्रिड मॉडल पर सहमत हुआ है, जिसके तहत पाकिस्तान किसी भी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत से किसी दूसरे देश में मैच खेलेगा. यह जानने के लिए कि क्या भारत अभी भी टूर्नामेंट की मेजबानी करने की योजना बना रहा है?

टेस्ट के बाद ओडीआई कप्तान बनेंगे शुभमन!

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की टेस्ट रिटायरमेंट के बाद शुभमन गिल को उनका उत्तराधिकारी बनाया गया. गिल, जो अब इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तानी कर रहे हैं. अभी रोहित शर्मा ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा नहीं कहा है, लेकिन सोशल मीडिया पर भारतीय ओडीआई टीम का कप्तान बदले जाने का टॉपिक ट्रेंड कर रहा है. दावा किया जा रहा है कि अगली वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा नहीं बल्कि शुभमन गिल कर सकते हैं. स्पोर्ट्स तक में छपी एक रिपोर्ट की मानें तो प्लान यही है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप में शुभमन गिल भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे, लेकिन रोहित कब तक अपनी कप्तानी को सुरक्षित रख पाएंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है. वहीं एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया है भारत जब भी अपनी अगली एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगा, उसमें रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल कप्तानी करेंगे. मौजूदा शेड्यूल पर नजर डालें तो टीम इंडिया को अगली ओडीआई सीरीज अक्टूबर महीने में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलनी है. शुभमन गिल के अभी तक ओडीआई करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अब तक 55 मैचों में 59.04 के बेहद शानदार औसत से 2,775 रन बनाए हैं. एकदिवसीय क्रिकेट में उनके नाम 8 शतक और 15 हाफ-सेंचुरी भी हैं. कब होगी टीम इंडिया की अगली ओडीआई सीरीज भारतीय टीम की अगली ओडीआई सीरीज अगस्त महीने में बांग्लादेश के साथ होने वाली थी, लेकिन इस दौरे को रद्द कर दिया गया है.

अगर टेनिस खेलते सूर्यकुमार तो धोनी को चुनते अपना डबल्स पार्टनर, खुद किया खुलासा

लंदन, एजेंसी। सूर्यकुमार पहली बार विंबलडन देखने के लिए पहुंचे थे। वहां मौजूदगी से उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। विंबलडन ने भी उनकी एक फोटो शेयर की और लिखा, एसडब्ल्यू19 में रौनक लेकर आए सूर्यकुमार यादव! आपको यहां देखकर खुशी हुई। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव उन क्रिकेटरों में शुमार हैं, जिन्होंने सेंटर कोर्ट का दौरा किया और विंबलडन मैच देखा। वह हाल ही में पत्नी देविशा शेट्टी के साथ मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान खुलासा किया कि वह अपने डबल्स जोड़ीदार के तौर पर भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को देखना पसंद करेंगे।

सूर्यकुमार पहली बार विंबलडन देखने के लिए पहुंचे थे। वहां मौजूदगी से उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। विंबलडन ने भी उनकी एक फोटो शेयर की और लिखा, एसडब्ल्यू19 में रौनक लेकर आए सूर्यकुमार यादव! आपको यहां देखकर खुशी हुई। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह भी पत्नी संजना के साथ मैच देखने सेंटर कोर्ट पहुंचे थे। टेनिस को लेकर अपने लगाव के बारे में सूर्यकुमार ने बताया, मैं टीवी पर टेनिस बहुत देखता हूं। सेंटर कोर्ट के माहौल के बारे में हमेशा सुना करता था, खास तौर पर तब जब खिलाड़ी वहां प्रवेश करते हैं। अब इसे सामने से महसूस किया, यह बहुत ही खास अनुभव है।जब उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें किसी क्रिकेटर

को टेनिस डबल्स (पुरुष युगल) पार्टनर चुनना हो, तो वे किसे चुनेंगे? इस पर सूर्यकुमार ने कहा, बिलकुल एमएस धोनी को। वह तेज हैं, सहनशक्ति बहुत ज्यादा है और मानसिक रूप से बेहद मजबूत हैं। और हाल ही में जब वे क्रिकेट नहीं खेल रहे होते हैं, तो मैंने उन्हें कई बार टेनिस खेलते देखा है। इसलिए मेरी पहली पसंद वही होंगे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए 100 टेस्ट खेलना बड़ी उपलब्धि: मिचेल स्टार्क

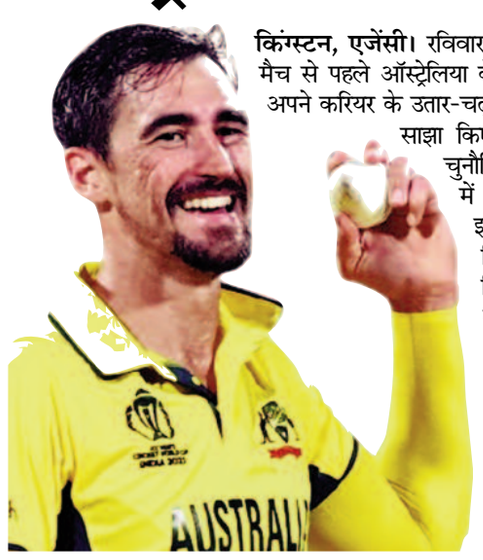

किंग्स्टन, एजेंसी। रविवार को अपने ऐतिहासिक 100वें टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अपने करियर के उतार-चढ़ाव और चोटों से जूझने के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने चुनौतियों को पार करते हुए टेस्ट क्रिकेट में अपनी स्थायी छाप छोड़ी। स्टार्क ने इस उपलब्धि को बड़ा सम्मान करार दिया और कहा कि वह इस पर तब विचार करेंगे जब वह खेल से संन्यास लेंगे। रविवार को किंग्स्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच में मैदान पर उतरते ही स्टार्क यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बन जाएंगे। इससे पहले ग्लेन मैक्ग्रा यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। डे नाइट मैच में ऑस्ट्रेलिया के पास सीरीज में क्लीन स्वीप करने का भी मौका होगा। स्टार्क ने अपने 100वें टेस्ट मैच से पहले क्रिकेट.कॉम.एयू से बातचीत की। बातचीत में उन्होंने अपनी शारीरिक देखभाल और दृढ़ता के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मैंने अपने शरीर का ध्यान रखा है और चोटों के बीच खुद को फिट रखने के तरीके खोज पाया जिससे मैं टीम के लिए उल्लेखनीय योगदान दे सकूं।

स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के 471 टेस्ट क्रिकेटरों में से केवल 15वें खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 टेस्ट मैचों की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा, मैं पहले भी एक ऐसा खिलाड़ी रहा हूं जो चोटिल हो चुका है और टीम को एक खिलाड़ी कम होने का झटका दे चुका है, और मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करना चाहता था। इसलिए जब चीजें ठीक नहीं चल रही हों, या दर्द हो रहा हो, या मैं किसी चीज से परेशान हो रहा हो, तब भी आगे बढ़ने और मैच खत्म करने और प्रभावशाली बने रहने के तरीके खोजना अहम होता है। यही प्रक्रिया रहती है। मुझे अपनी फिटनेस बनाए रखने में प्रशिक्षकों और फिजियोथेरेपिस्टों से भी काफी मदद मिली, और मेरे सबसे अच्छे साथियों ने भी मेरी मदद की, जिससे मैं खेलता रहा और टीम का हिस्सा बना रहा। स्टार्क अपने 100वें टेस्ट मैच में किंग्स्टन में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं। 99 टेस्ट मैचों में 395 विकेट ले चुके स्टार्क को 400 टेस्ट विकेट के आंकड़े तक पहुंचने के लिए केवल पांच और विकेट चाहिए। यदि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मैच में यह कारनामा कर लेते हैं, तो वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा के साथ टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएंगे। मैकग्रा ने अपने करियर में 124 टेस्ट में 563 विकेट लिए थे।

स्टार्क ने कहा, मैंने सोचा भी नहीं था कि मैं एक भी टेस्ट मैच खेल पाऊंगा। इतना ज्यादा खेलना बहुत ही विनम्र करने वाला अनुभव है। यह एक बहुत बड़ा सम्मान है, शायद खेल खत्म होने के बाद इस पर और भी विचार करूंगा। स्टार्क ने उन खिलाड़ियों को भी याद किया जिनके साथ उनकी तुलना की जाती है। स्टार्क ने खुद को सौभाग्यशाली माना कि उन्हें उनके साथ खेलने का मौका मिला। 400 विकेट तक पहुंचना एक अच्छा अनुभव रहा है।

वैभव सूर्यवंशी-आयुष होंगे ओपनर, इंग्लैंड के खिलाफ पहले यूथ टेस्ट के लिए इंडिया की प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर 19 क्रिकेट टीम और इंग्लैंड अंडर 19 क्रिकेट टीम के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी और इस सीरीज का पहला मैच 12 जुलाई से शुरू होगा। इस टेस्ट सीरीज में एक मैच 4 दिनों का होगा और दोनों टीमें पहले मुकाबले में केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड, बेकेनहम में एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। इस मैच की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3.30 बजे से होगी।

इंडिया अंडर 19 टीम ने इस टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम को 5 मैचों की वनडे सीरीज में 3-2 से हराया था। हालांकि इस वनडे सीरीज के आखिरी मैच में इंडिया को हार मिली थी। अब बारी रेड बॉल क्रिकेट की है जहां दोनों टीमों के धैर्य की परीक्षा होगी और बेहतर खेलने वाली टीम जीत हासिल करेगी। वैसे वनडे सीरीज में जीत के बाद अब इंडिया के पास इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में भी रौंदने का बेहतर मौका है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी वही टीम हिस्सा लेगी जिस टीम ने वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन यहां चुनौती कुछ अलग होने वाली है, लेकिन इंडिया ने जिस तरह का दम दिखाया उससे उम्मीद है कि टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। पहले यूथ टेस्ट के लिए अगर इंडिया की प्लेइंग इलेवन की बात करें तो इसमें एक बार फिर से ओपनिंग की जिम्मेदारी वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष महात्रे के हाथों में हो सकती है।

वैभव के लिए रेड बॉल क्रिकेट में खुद को साबित करने का मौका

वैभव ने पिछले साल भी यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ दो मैच खेले थे और उसमें उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा वनडे में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें रेड बॉल में भी ओपनिंग का मौका दिया जा सकता है। वैभव के लिए भी रेड बॉल क्रिकेट में खुद को साबित करने का अच्छा मौका होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मैच में अभिज्ञान कुंडू को बाहर बिठाया गया

था, लेकिन पहले टेस्ट मैच के लिए उनकी प्लेइंग इलेवन में वापसी हो सकती है। भारतीय बैटिंग क्रम में इसके अलावा विहान मलहोत्रा, राहुल कुमार, कनिष्क चौहान होंगे। गेंदबाजी की जिम्मेदारी अंबरीश, दीपेश देवेंद्रन, अनमोलजीत सिंह, युद्धजीत गुहा और नमन पुष्पक के हाथों में होगी।

पहले यूथ टेस्ट के लिए इंग्लैंड के खिलाफ इंडिया की प्लेइंग इलेवन-आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), कनिष्क चौहान, आरएस अंबरीश, दीपेश देवेंद्रन, अनमोलजीत सिंह, युधाजीत गुहा, नमन पुष्पक।

इंडिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम-हमजा शेख (वार्विकशर - कप्तान), ताजीम अली, जेडन डेनली, रॉकी फ्लिंटॉफ, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, जैक होम, बेन मेयस, सेबेस्टियन मॉर्गन, जेम्स मिंटो, थॉमस रीव, आर्यन सावंत, एकांश सिंह, जय सिंह, आर्ची वॉन (समरसेट)।

निधि अग्रवाल ने फिल्म सिंगल को बताया एक मजेदार यात्रा

तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण की अपकमिंग फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने मई में रिलीज हुई तेलुगू फिल्म सिंगल की तारीफ की है। उन्होंने फिल्म को एक मजेदार यात्रा बताया और कहा कि निर्देशक कार्तिक राजू ने इसे शानदार तरीके से बनाया है। अभिनेत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, अभी-अभी सिंगल (तेलुगु) देखी!! कार्थिक राजू द्वारा शानदार तरीके से बनाई गई यह फिल्म एक शानदार यात्रा है। श्री विष्णु और विनेला किशोर ने हमें शुरू से लेकर आखिरी तक खूब हंसाया। इवाना और केतिका शर्मा और दोनों बहुत अच्छे थे। अल्लू अरविंद सर, गीता आर्ट्स और पूरी कास्ट और क्रू को बधाई। यह फिल्म इस साल मई में रिलीज हुई थी, जो कि बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। वहीं, फिल्म निर्माता अल्लू अरविंद इस फिल्म में अभिनेता श्री विष्णु के अभिनय से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अभिनेता को फोन किया और अपने बैनर द्वारा निर्मित दो और फिल्मों में काम करने का ऑफर दिया। फिल्म सिंगल में श्री विष्णु, इवाना और केतिका मुख्य भूमिका में थे। इसे गीता आर्ट्स, अल्लू अरविंद ने कल्याण फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया था।

2025 में रिलीज होगी फिल्म!

अव्यान में अनुष्का का नया अवतार

अभिनेत्री अनुष्का कौशिक फिल्म निर्माता सुनील कोठारी की अपकमिंग फिल्म अव्यान में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने शूटिंग के अनुभव के बारे में खुलकर बात की। अनुष्का ने फिल्म की शूटिंग के अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि शूटिंग ने उनके पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने बताया, अव्यान का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी आध्यात्मिक अनुभव से कम नहीं रहा। फिल्म की स्क्रिप्ट ने मुझे बहुत प्रभावित किया, यह सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि इसमें जीवन के छोटे-छोटे पलों को गहरे विचारों से जोड़ा गया है। वाराणसी में, उसकी ऊर्जा और भक्ति के बीच शूटिंग करना मेरे लिए एक विनम्र अनुभव था। मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हूं जो हमारी संस्कृति और समृद्धि को दिल से दिखाती है। फिल्म निर्माता सुनील कोठारी ने अभिनेत्री अनुष्का के अभिनय की सराहना करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने अपकमिंग फिल्म अव्यान में अपने किरदार को अच्छे से निभाया। उन्होंने कहा, मैंने अनुष्का में एक खास खूबी देखी। वह ऐसी कलाकार हैं जो परदे पर किरदार के मजबूत और कमजोर दोनों पहलुओं को बैलेंस करके पेश करती हैं, जिससे उनका अभिनय स्वाभाविक लगने लगता है। अपकमिंग फिल्म में दर्शकों को उनका खास अंदाज देखने को मिलेगा। वाराणसी के पवित्र घाटों और पतली गलियों में बनी फिल्म अव्यान का निर्देशन गौरव खाती ने किया है। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पिछले महीने, फिल्म के निर्माता सुनील कोठारी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के शीर्षक का अनावरण किया था। इसके साथ उन्होंने एक पोस्टर भी रिलीज किया, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता जगा दी है। पोस्टर में शाम के समय के गंगा तट का एक बेहद खूबसूरत दृश्य दिखाया गया है।

अनुष्का कौशिक के वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्होंने लस्ट स्टोरी-2 और पटना शुक्ला में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाई है। कौशिक घर वापसी, क्रैश कोर्स, गर्मी और नॉट डेटिंग जैसी लोकप्रिय डिजिटल सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

पत्नी पायल संग तलाक की खबरों पर

संग्राम सिंह ने तोड़ी चुप्पी

पहलवान और मोटिवेशनल स्पीकर संग्राम सिंह इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। एक ओर जहां उनके और पायल रोहतगी की शादी को तीन साल पूरे हो चुके हैं, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर दोनों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। दोनों के बीच तलाक होने की खबर फैल रही हैं। लेकिन अब संग्राम ने खुद सामने आकर इन अफवाहों पर विराम लगाया है और अपने रिश्ते को लेकर बेबाकी से बात की है। हाल ही में जब पायल रोहतगी ने संग्राम सिंह चैरिटेबल फाउंडेशन के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दिया, तो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच चर्चा तेज हो गई कि क्या दोनों के रिश्ते में दरार आ गई है। इस पर संग्राम ने साफ-साफ कहा, हमारे रिश्ते में तलाक जैसी कोई बात नहीं है। हम 14 साल से साथ हैं और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। ऐसे झूठे दावे करना सही नहीं है।

पायल के फैसले का करता हूं सम्मान

संग्राम ने बताया कि पायल के फाउंडेशन से इस्तीफा देने का फैसला उनका व्यक्तिगत था और वो इसका पूरा सम्मान करते हैं। उन्होंने ये भी साफ किया कि दोनों की काम करने की शैली अलग है और इसलिए पायल ने जो सोचा, वो उनके लिए सही होगा।

संग्राम का कहना है कि किसी एक की गलती कहकर रिश्तों को तोलना ठीक नहीं है। बता दें पायल के पद छोड़ने के बाद अब संग्राम की बहन सुनीता कुमारी सिंह को फाउंडेशन का नया डायरेक्टर बनाया गया है। सुनीता अब संग्राम के साथ मिलकर सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। संग्राम का सपना है कि यह फाउंडेशन और भी अधिक जरूरतमंदों की मदद करे और शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाए।

महिलाओं की उम्र और त्वचा पर

सवाल उठाने की आदत हो बंद: नेहा धूपिया

अभिनेत्री नेहा धूपिया ने महिलाओं के उम्र और रूप-रंग को लेकर होने वाली आलोचनाओं पर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को उनके लुक के लिए 20 की उम्र में हो या 40 की, हर बार जांचने की आदत बंद होनी चाहिए। नेहा ने यह बात एक कार्यक्रम में त्वचा विशेषज्ञों के सामने कही, जहां एक डॉक्टर ने उनसे उनकी 40 की उम्र में जवां दिखने का राज पूछा। नेहा ने जवाब में कहा, मैं सालों से योग कर रही हूं, जिसने मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित, शांत और स्वस्थ रखने में मदद की। इसका असर मेरे चेहरे पर भी दिखता है। उन्होंने साफ कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने मनचाहे तरीके से खुद को सुंदर और स्वस्थ रख सकता है, लेकिन खासकर महिलाओं के लुक या दिखने में कैसी है, इस पर कमेंट करना ठीक नहीं है। नेहा ने कहा, महिलाओं से उनके खूबसूरत या जवां दिखने का रहस्य पूछना बहुत सामान्य हो गया है, जो एक तरह की पीछे से की गई आलोचना है। ऐसे कमेंट्स का हमें सपोर्ट नहीं करना चाहिए। हमें महिलाओं को 20 या 40 की उम्र में उनके लुक के लिए जांच की नजरों से देखना बंद करना होगा। उन्होंने योग के प्रति अपनी कृतज्ञता जताते हुए कहा बताया कि यह अभ्यास उन्हें खास महसूस कराता है। उन्होंने कहा, असली सुंदरता आप जैसे हैं, वैसे ही खुद को स्वीकार करने में है। नेहा की यह टिप्पणी सामाजिक सोच में बदलाव की जरूरत को दिखाती है, जहां महिलाओं को उनके व्यक्तित्व और उपलब्धियों के लिए महत्व दिया जाए, न कि केवल उनके रूप-रंग के लिए।

प्रज्ञा जायसवाल के समर्थन में गौहर खान ने उठाई आवाज

सिनेमाई दुनिया में हम अक्सर देखते हैं कि पैपराजी सितारों के सार्वजनिक पलों को कैद करते हैं। इस बार अभिनेत्री गौहर खान पैप्स पर भड़क गई हैं, क्योंकि उन्होंने एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल पर भद्दे तरीके से कमेंट्स किए थे। इसी मामले पर गौहर खान ने प्रज्ञा का समर्थन किया है। चलिए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा। अभिनेत्री गौहर खान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल को पैप्स द्वारा भद्दे कमेंटस मिले। इसी वीडियो को लेकर अब गौहर खान ने एक्ट्रेस का समर्थन करते हुए स्टोरी के कैप्शन में लिखा, 'क्या पैप्स छेड़छाड़ की संस्कृति को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं? ऐसे बहुत से लोग हैं जो लगातार अभद्र टिप्पणियां करते रहते हैं। आप लोग सीमाएं पार नहीं कर सकते हैं।'

क्या है पूरा मामला?

आपको बताते चलें कि प्रज्ञा जायसवाल बीते दिनों जायद खान के जन्मदिन में शामिल होने पहुंची थीं, जिसमें उन्होंने ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहन रखी थी। पैपराजी से फोटोज क्लिक कराने के बाद जैसी ही वो वापस जाने लगीं, तो पैप्स उन्हें अभद्र तरीके से बुलाते हैं। इस वजह से एक्ट्रेस गुस्सा भी हो जाती हैं। वीडियो ने सभी को हैरान कर दिया।

पहली बार विजय ने कबूला रिलेशनशिप, रश्मिका संग हैं डेटिंग रूमर्स

साउथ इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता विजय देवरकोंडा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से रश्मिका मंदाना के साथ उनके रिश्ते की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अभिनेता ने अब खुद सामने आकर अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात की है। एक इंटरव्यू में विजय ने खुलकर बताया कि वो सिंगल नहीं हैं और इस बयान के बाद फैंस के बीच हलचल और भी तेज हो गई है।

इंटरव्यू में जब विजय देवरकोंडा से पूछा गया कि क्या वो अब भी सिंगल हैं, तो उन्होंने सीधा जवाब दिया- मैं 35 साल का हूं और मैं सिंगल नहीं हूं। विजय के इस जवाब से साफ है कि उनके और रश्मिका मंदाना के रिलेशनशिप को वो अब छुपाना नहीं चाहते। दोनों अक्सर एक दूसरे के साथ स्पॉट किए जाते हैं, लेकिन कभी भी वो खुलकर एक दूसरे के बारे में कुछ बोले नहीं हैं।

रिश्तों को सीक्रेट रखने की वजह बताई

विजय ने आगे बताया कि वो अपनी पर्सनल लाइफ को पब्लिक के सामने क्यों नहीं लाना चाहते। उन्होंने कहा, जब आप किसी से प्यार करते हैं, तो आप उन्हें मीडिया की नजरों और गॉसिप से दूर रखना चाहते हैं। मैं चाहता हूं कि मेरी जिंदगी का वो हिस्सा सुरक्षित रहे और गैरजरूरी चर्चाओं का शिकार न बने। अपने काम और निजी जिंदगी के संतुलन पर बात करते हुए विजय ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर वो चाहते हैं कि लोग उनके काम को पहचानें, लेकिन वो खुद भीड़ से दूर रहना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, कई बार मैं सोचता हूं कि काश मैं विजय देवरकोंडा स्टार को किसी और में ट्रांसफर कर पाता और खुद सिर्फ एक आम इंसान की तरह जीवन जीता।

रश्मिका मंदाना का रिएक्शन

विजय की अगली फिल्म किंगडम जुलाई में रिलीज होने जा रही है और इसके प्रोमो में उनका दमदार एक्शन अवतार देखने को मिला है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के प्रोमो पर रश्मिका मंदाना ने भी प्रतिक्रिया दी है और विजय की तारीफ करते हुए फिल्म को लेकर उत्साह जताया है।

साइको सइयां का मेरे करियर में बड़ा योगदान

सिंगर ध्वनि भानुशाली के सॉन्ग 'साइको सइयां' को रिलीज हुए छह साल पूरे हो चुके हैं। ध्वनि ने 'साहो' के गाने से जुड़ी अपनी यादें ताजी की और बताया कि यह उनके करियर में खास महत्व रखता है। ध्वनि भानुशाली ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने खास तरीके से प्रैक्टिस की थी और तेलुगू, तमिल के साथ मलयालम में हर शब्द को सावधानी से उच्चारण करना सीखा। ध्वनि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'साइको सइयां' पर डांस करती नजर आई। यह गाना साल 2019 में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'साहो' का है, जिसमें प्रभास, श्रद्धा कपूर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ, अरुण विजय और नील नितिन मुकेश जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुजीत ने किया था। ध्वनि ने कैप्शन में लिखा, आज 'साइको सइयां' सॉन्ग के छह साल पूरे हो चुके हैं। मुझे आज भी याद है, जब यह सब शुरू हुआ था। मैंने 'वास्ते' गाना रिलीज किया था और गोवा में दोस्तों के साथ थी, तभी मुझे फोन आया कि 'साइको सइयां' को तीन और भाषाओं, तेलुगू, तमिल और मलयालम में गाना है। उन्होंने बताया कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी नर्वस भी थीं, लेकिन उनकी टीम ने उनका हौसला बढ़ाया। इस गाने के लिए ध्वनि ने संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ काम किया और हर भाषा में शब्दों का सही उच्चारण सीखा।

पैपराजी की हरकतों पर जरीन खान ने कसा तंज?

पैपराजी स्टार्स की फोटो खिंचने के लिए कहीं भी पहुंच जाते हैं। कई बार स्टार्स खुद पैपराजी को बुलाते हैं। मगर हाल ही में कुछ ऐसी घटनाएं हुई जिसने पैपराजी कल्चर पर सवाल खड़े कर दिए हैं? जरीन खान भी इन्हीं बातों के बीच पैपराजी पर तंज कसती दिखीं। जानिए पैपराजी का व्यवहार इन दिनों क्यों चर्चा में है? और जरीन ने किस बात को लेकर तंज कसा है।

वायरल वीडियो में दिखी जरीन की नाराजगी

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें पैपराजी जरीन खान की फोटो क्लिक कर रहे हैं, वीडियो बना रहे हैं। पैपराजी जोर-जोर से जरीन का नाम पुकारते हैं। अचानक जरीन पलटती है और कहती है, 'चेहरा देखो चेहरा ये नहीं'। वह बैक साइड की तरफ इशारा करती है। बताते चलें कि अक्सर पैपराजी एक्ट्रेस की फोटो फ्रंट से ना लेकर उनकी बैक साइड से लेते हैं। कई बार तस्वीरें और वीडियो बहुत ही खराब ढंग से लिए जाते हैं। इन्हीं बातों को लेकर कई एक्ट्रेस ने अपनी राय भी रखी है।

इमरान की नई फिल्म की हुई घोषणा

इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया की जोड़ी एक बार फिर सिनेमाघरों में धमाल मचाने आ रही है। जी हां, इमरान हाशमी की नई फिल्म की घोषणा हुई है, जिसमें हिमेश रेशमिया का संगीत फिर से सुनाई देगा। आदित्य दत्ता द्वारा निर्देशित फिल्म 'गनमास्टर जी 9' का अनाउंसमेंट वीडियो सामने आया है। जिसमें इमरान हाशमी के साथ जेनेलिया डीसूजा और अपारशक्ति खुराना भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

बारूद वाले दूधिया बने इमरान

मेकर्स ने फिल्म से जुड़े तीन अलग-अलग क्लिप्स शेयर किए हैं। इनमें फिल्म के तीनों मुख्य कलाकारों इमरान हाशमी, जेनेलिया डिसूजा और अपारशक्ति खुराना के वॉइस ओवर सुनाई देते हैं। पहली क्लिप में एक बाल्टी रखी दिखती है, जिसपर जी9 लिखा हुआ है। इसके साथ इमरान हाशमी की आवाज में वॉइस ओवर आता है 'मुझसे मच-मच किया चलेगा, गलती से फैमिली को टच किया, तो याद रखना धंधे से दूधवाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं।' इसके साथ ही एक हाथ दिखाई देता है जिस पर टैटू बने हुए हैं और हाथों में बंदूक है।

साभार एजेंसी